सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–238 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 16 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

*" जीवन में बदलना बहुत आवश्यक है,
पर अपने मूल्यों को छोड़कर नहीं परिस्थितियों
के अनुसार खुद को ढालना ही सच्ची बुद्धिमानी है...!!*
अज्ञात...

सेवा संकल्प अभियान : मरीन ड्राइव में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर किया ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग प्लान जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को मरीन ड्राइव में "आशीर्वाद का दिया" कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शाम 7 बजे से होने वाले कार्यक्रम में मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों के पहुंचने की संभावना है। यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने सुचारू यातायात के लिए डायवर्जन और पार्किंग प्लान तैयार किया है।

इन मार्गों पर आवागमन और पार्किंग प्रतिबंधित:

भगत सिंह चौक से खजाना चौक, शंकर नगर अंडर ब्रिज, तेलीबांधा चौक और आनंद नगर चौक से भारत माता चौक व कटोरा तालाब चौक तक दोनों ओर वाहन प्रवेश बंद रहेगा।

पार्किंग व्यवस्था:

गॉस मेमोरियल ग्राउंड, मल्टी लेवल पार्किंग अंबेडकर चौक, ऑक्सीजोन किनारे मार्ग, शांति नगर विमतारा रोड, सूर्य नमस्कार केनाल रोड और इळकग्राउंड शंकर नगर में बस और कार पार्किंग की व्यवस्था की गई है। यातायात पुलिस ने अपील की है कि नागरिक निर्धारित पार्किंग में ही वाहन खड़ा करें और अनावश्यक रूप से इन मार्गों का उपयोग न करें।

प्रमुख डायवर्जन

तेलीबांधा थाना तिराहा से मरीन ड्राइव जाने वाले वाहन डायवर्ट होंगे। कटोरा तालाब चौक से मरीन ड्राइव मार्ग बंद। शंकर नगर से भारत माता चौक होते हुए मरीन ड्राइव जाने वाले वाहनों को अनुपम नगर चौक से डायवर्ट किया जाएगा। शास्त्री चौक से भगत सिंह चौक होते हुए मरीन ड्राइव मार्ग पर वैकल्पिक मार्ग से जाना होगा। इनकम टैक्स कॉलोनी टर्निंग से भी डायवर्जन रहेगा।

स्कूल से 300 किलो सरिया चोरी, 100 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ के बाद आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

चारामा थाना क्षेत्र के लखनपुरी स्थित शासकीय प्राथमिक शाला नयापारा परिसर से निर्माण कार्य के लिए रखे लोहे के सरिए की चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ के बाद एक आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली। आरोपी के कब्जे से करीब 290 किलोग्राम चोरी का सरिया बरामद किया गया है। इसके साथ वारदात में कथित रूप से इस्तेमाल पिकअप वाहन और कटर मशीन भी जब्त की गई है। जब्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत 4.38 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 6 सितंबर 2026 को शिकायतकर्ता ने चारामा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शासकीय प्राथमिक शाला नयापारा, लखनपुरी परिसर में शौचालय निर्माण के लिए करीब 300 किलोग्राम लोहे का सरिया रखा गया था। अज्ञात व्यक्ति सरिया चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर थाना चारामा में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू और एसडीओपी कांकेर हरिश पाटिल के पर्यवेक्षण में टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। मामले में आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ 100 से अधिक संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने का दावा किया गया है। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ईतवारी मण्डावी (38), मूल निवासी चंदेरीभाटा, दल्लीराजहरा और वर्तमान निवासी लखनपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने स्कूल परिसर से सरिया चोरी करने की बात स्वीकार की।

नराकास भिलाई-दुर्ग को मिला सर्वश्रेष्ठ नराकास सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग को वर्ष 2025-26 के लिए राजभाषा नीति के प्रभावी एवं अनुकरणीय क्रियान्वयन के लिए सर्वश्रेष्ठ नराकास श्रेणी में नराकास प्रोत्साहन सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा 14-15 सितंबर को नवी मुंबई के सिडको प्रदर्शनी केंद्र, वाशी में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी दिवस-2026 एवं छठे राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस तथा उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और एकनाथ शिंदे विशिष्ट अतिथि रहे।

राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या के करकमलों से भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक राजीव कुमार एवं तत्कालीन सचिव, नराकास भिलाई-दुर्ग ने सम्मान ग्रहण किया। वहीं बीएसपी के उप प्रबंधक जितेंद्र दास मानिकपुरी ने समिति का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। नराकास भिलाई-दुर्ग में केंद्र सरकार के 49 सदस्य संस्थान शामिल हैं। इनमें उपक्रम, विभाग, प्रतिष्ठान, बैंक और बीमा कंपनियां शामिल हैं। पुरस्कार मिलने पर बीएसपी निदेशक प्रभारी एवं नराकास अध्यक्ष चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा महाप्रबंधक प्रभारी अमूल्य प्रियदर्शी ने बधाई दी। उन्होंने सम्मान को सदस्य संस्थानों के हिंदी के प्रति समर्पण और राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन का परिणाम बताया।

ना तुम जीते, ना हम हारे पीएम आवास पर भूपेश और विजय शर्मा में खुली बहस

छत्तीसगढ़ की राजनीति का अनोखा और सकारात्मक नजारा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी के प्रेस क्लब में मंगलवार को छत्तीसगढ़ की राजनीति का अनोखा और सकारात्मक नजारा देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा पीएम आवास योजना के आंकड़ों को लेकर आमने-सामने हुए। दोनों ने पहले एक-दूसरे को चुनौती दी थी।

डिबेट सच और झूठ के आंकड़ों में उलझी रही। विजय शर्मा बार-बार कहते रहे - "बघेल जी समझ रहे हैं, लेकिन समझा कुछ और रहे हैं, झूठ मत बोलिए।" वहीं भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा - "सरकार झूठ परोस रही है, इसे बंद करे।"

विजय शर्मा के दावे

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि साय सरकार में अब तक 11.75 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। 2025-26 में पूरे देश में सबसे ज्यादा 5.92 लाख आवास छत्तीसगढ़ में बने। तीन साल में 16 हजार करोड़ खर्च हुए हैं और 3.65 लाख नए मकानों की स्वीकृति मिली है।

उन्होंने कांग्रेस कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि 2020-21 में कोरोना का हवाला देकर स्वीकृति रोकी गई, जबकि अन्य राज्यों में आवास स्वीकृत हुए। पोर्टल बंद होने की बात गलत है, पोर्टल खुला था। कांग्रेस ने पीएम आवास के बजाय मुख्यमंत्री न्याय आवास योजना में पैसा डाला। गरीबों की आह लगी थी।

भूपेश बघेल का पलटवार

बघेल ने कहा कि सरकार 46 लाख मकान बनाने का दावा कर रही है, पर आंकड़े स्पष्ट नहीं। साय सरकार 18 लाख स्वीकृति की बात कह रही है, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 लाख की बात कही। उनके कार्यकाल में केंद्र ने ही पोर्टल बंद कर दिया था, जिससे प्रक्रिया प्रभावित हुई।

सोशल मीडिया पर होड़, प्रेस क्लब में शालीनता

प्रेस क्लब में दोनों नेता शालीनता से पेश आए, लेकिन सोशल मीडिया पर समर्थक अपने-अपने नेता को सही बता रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति "ना तुम जीते, ना हम हारे" जैसी रही।

डिबेट के बाद हंगामा

बहस खत्म होने के बाद प्रेस क्लब के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़ गए। पुलिस के साथ भी झड़प हुई, जिसमें एक रककी वर्दी और शर्ट का बटन टूट गया। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित की।

महासमुंद में खैर लकड़ी तस्करी के बड़े नेटवर्क का हुआ भंडाफोड़

120 करोड़ की तस्करी, 2 फर्म संचालक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

खैर लकड़ी तस्करी के संगठित गिरोह पर महासमुंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य आरोपी मनीष अग्रवाल को फर्जी इनवॉयस देने वाले दो फर्म संचालकों को ओडिशा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 23,350 किलो खैर लकड़ी के अवैध परिवहन में NTPS NOC में कूटरचना कर शासन को राजस्व क्षति पहुंचाने पर थाना पिथौरा में अपराध क्र. 172/2026 दर्ज किया गया था।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी मनीष अग्रवाल के सिंडिकेट ने 2 साल में ओडिशा से हिमाचल प्रदेश तक 120 करोड़ से अधिक की खैर लकड़ी तस्करी की है। अवैध कारोबार को वैध दिखाने के लिए 8 शेल कंपनियां बनाकर फर्जी इनवॉयसिंग की जा रही थी और 10 से ज्यादा म्यूल अकाउंट से लेनदेन किया जा रहा था। 7 सितंबर को मनीष अग्रवाल के ठिकाने से 81 लाख नगद भी जप्त हुआ था।

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 14 सितंबर को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया पारितोष मिश्रा (47) संचालक पीयूष इंटरप्राइजेज, बोलांगीर ओडिशा, अखिलेश सिंघल (52) संचालक सिंघल इंटरप्राइजेज संबलपुर, ओडिशा शामिल हैं। दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। पुलिस, वन विभाग और वित्त एजेंसियों ने अवैध संपत्तियों की कुर्की की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

रामलीला मैदान में 41वें चक्रधर समारोह की पावन संध्या, कला-संस्कृति प्रेमियों का लगा जमावड़ा

रायगढ़। रामलीला मैदान में आयोजित 41वें चक्रधर समारोह की पावन संध्या में राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह और छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू शामिल हुईं। उन्होंने विभिन्न देशों और राज्यों से आए कलाकारों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। चक्रधर समारोह हमारी समृद्ध लोककला एवं सांस्कृतिक विरासत का गौरवपूर्ण उत्सव है। इस अवसर पर हजारों की संख्या में गणमान्य नागरिक और कला-संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़। कचहरी चौक स्थित SBI एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी का प्रयास करने वाले आरोपी को डोंगरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी रोवाराम वर्मा (41) पिता सियाराम वर्मा, निवासी अण्डी सोरीटोला, थाना बोरतलाव ने रात में एटीएम रूम में घुसकर हथौड़ा और छेनी से मॉनिटर, शटर बॉक्स और कैमरा में तोड़फोड़ की। इससे करीब 1 लाख रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। SBI एटीएम सुपरवाइजर उत्तम कुमार खां की शिकायत पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 544/2026 धारा 305(ई), 62 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त एसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और SDOP केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी प्रशिक्षु DSP सुमन जायसवाल की टीम ने आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने पर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। कार्रवाई में सउनि अनिल गहिने, आरक्षक किशन चंद्रा, कमल केवट और रामखिलावन सिन्हा का योगदान रहा।

गणेशोत्सव पर रायपुर में दोहरा सुरक्षा घेरा

रायपुर पुलिस ने चलाया अभियान, गलियों में बाइक पेट्रोलिंग, आसमान से ड्रोन निगरानी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गणेशोत्सव के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के वेस्ट जोन में सोमवार शाम विशेष अभियान चलाया गया। डीसीपी वेस्ट जोन रॉबिन्सन गुड़िया और एडीसीपी राहुल देव शर्मा स्वयं बाइक पर सवार होकर मोर्चा संभालते नजर आए। उनके साथ अउढ ईशू अग्रवाल, देवांश राठौर और थाना प्रभारी अर्चना धुरंधर, पारस पटेल, विनय सिंह बघेल भी बड़ी संख्या में बल के साथ गश्त पर निकले।

विशेष अभियान

पुलिस की टीमें उन संकरी गलियों, ठेला-बाजारों और घनी बस्तियों में पहुंची जहां चार पहिया वाहन नहीं जा सकते। पंडालों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों, सार्वजनिक शराबखोरी और छेड़छाड़ की आशंका वाले स्थानों पर विशेष चेकिंग की गई।

आसमान से नजर

जमीन पर बाइक गश्त के साथ-साथ ड्रोन से पंडालों, बाजारों और चौराहों की लाइव निगरानी की गई। ड्रोन फुटेज में जहां भी भीड़ या जाम दिखा, तुरंत बल भेजकर व्यवस्था सुचारू कराई गई। पुलिस ने पंडाल समितियों से वॉलंटियर्स की सूची थाने में जमा करने और संदिग्ध गतिविधि पर 112 पर सूचना देने की अपील की है। यह अभियान विसर्जन तक जारी रहेगा।

ऑपरेशन 'खेमू' सफल: भटका पुलिस श्वान सकुशल बरामद, टीम सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सातवीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई और जिला बल दुर्ग के संयुक्त ऑपरेशन 'खेमू' के सफल होने पर सोमवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दरअसल पुलिस का खोजी श्वान खेमू लापता हो गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में साइबर सेल दुर्ग ने तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर सैकड़ों उउळश फुटेज खंगाले और खेमू के संभावित मार्गों को चिन्हित किया। ट्रैकर डॉग टीम के साथ तलाश अभियान चलाया गया।

साथ ही खेमू का फोटो सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में वायरल कर आम लोगों से सहयोग मांगा गया। जनसहयोग और तकनीकी विश्लेषण से खेमू को सकुशल बरामद कर लिया गया। समारोह में सेनानी श्रीमती निवेदिता पॉल, उप सेनानी प्रज्ञा मेश्राम, सबा अंजुम, सहायक सेनानी इंद्रसेन बंजारे, संदीप मोरे मौजूद रहे।

सेनानी ने ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाने वाले अरक सुरेश पांडे, प्रधान आरक्षक प्रेम सिंह, आरक्षक विश्वजीत सिंह, राजू राणा, चंदन भास्कर के साथ ही डॉग लवर एसोसिएशन, नगर निगम और सहयोगी के. अनुप कुमार, अमित दुबे सहित आम नागरिकों की सराहना की।

शिवनाथ नदी महामरा एनीकट के टूट रहे बैरिगेट्स से हादसे का खतरा, अरुण वोरा ने जिला प्रशासन को किया सतर्क

महामरा एनीकट क्षेत्र के दौरे के दौरान स्थानीय लोगों और वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने अरुण वोरा को रोककर बैरिगेट्स की खराब स्थिति से कराया अवगत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शिवनाथ नदी के महामरा एनीकट में लगाए गए बैरिगेट्स के क्षतिग्रस्त होने और लगातार टूटने की स्थिति को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए इन्हें तत्काल दुरुस्त कराने अथवा आवश्यकता अनुसार नए एवं मजबूत बैरिगेट्स लगाने की मांग की है।

महामरा एनीकट क्षेत्र के दौरे के दौरान स्थानीय लोगों और वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने अरुण वोरा को रोककर बैरिगेट्स की खराब स्थिति से अवगत कराया। लोगों ने बताया कि एनीकट में लगे बैरिगेट्स लगातार टूट रहे हैं, जिससे यहां आने-जाने वाले लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। उन्होंने वोरा से इस समस्या का जल्द से जल्द निराकरण कराने का आग्रह किया। लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए वोरा ने तत्काल जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

श्री वोरा ने कहा कि बोरसी मुक्तिधाम और शिवनाथ नदी के विकास एवं आवश्यक कार्यों के लिए शासन प्रशासन की ओर से 50-50 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की गई थी, लेकिन इसके बावजूद अब तक अपेक्षित कार्यवाही और आवश्यक विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राशि उपलब्ध होने के बाद भी यदि सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य लंबित हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

अरुण वोरा ने कहा कि महामरा एनीकट क्षेत्र में पूर्व में मोतीलाल वोरा की राज्यसभा सांसद निधि से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य कराया गया था। यह स्थान अब शहरवासियों और आसपास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। बड़ी संख्या में लोग शिवनाथ नदी का नजारा देखने के साथ-साथ समीप स्थित मंदिर में दर्शन के लिए भी पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि एनीकट के बैरिगेट्स के टूटने से यहां आने वाले लोगों की जान-माल की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। विशेष रूप से नदी के आसपास आने वाले श्रद्धालुओं, महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों के लिए यह स्थिति दुर्घटना का कारण बन सकती है।

वोरा ने जिला प्रशासन से मांग की कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त बैरिगेट्स की मरम्मत कराई जाए और यदि मरम्मत संभव न हो तो नए एवं मजबूत बैरिगेट्स लगाए जाएं। साथ ही लोगों की सुरक्षा को देखते हुए आवश्यक चेतावनी बोर्ड एवं सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े ऐसे कार्यों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महामरा एनीकट पर आने वाले नागरिकों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

खास खबर

डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र का साहित्य सामाजिक उत्थान की अनिवार्य आवश्यकता : शशांक शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

साहित्य समाज को दिशा देने और मानवीय मूल्यों को स्थापित करने में सक्षम : वक्ता

साहित्य मनीषी एवं मानस मर्मज्ञ डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र की 128वीं जयंती के अवसर पर कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच, भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में सेक्टर-1 स्थित मानव आश्रम में साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र का साहित्य सामाजिक उत्थान की अनिवार्य आवश्यकता है। उनका साहित्य समाज को दिशा देने, मानवीय मूल्यों को स्थापित करने और सामाजिक चेतना को जागृत करने की क्षमता रखता है।

गोष्ठी में दुर्ग विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ. एन.पी. दीक्षित, सरजू पारी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा, रायपुर कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, प्रोफेसर आर.पी. दीक्षित तथा छत्तीसगढ़ वित्त निगम के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने डॉ. मिश्र के साहित्य, व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। राजनांदगांव के प्रोफेसर सी.एस. शर्मा ने आधार वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए उनके साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच के अध्यक्ष उमाकांत दीक्षित ने दिया। संचालन अजय शुक्ला एवं अतुल अवस्थी ने किया तथा आभार मंच के महासचिव रवीन्द्र मिश्रा ने व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मिश्र की रचनाएं साहित्य के साथ सामाजिक चेतना और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का कार्य करती हैं। उनकी विचारधारा आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। इस अवसर पर महाविद्यालय दुर्ग के प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह, प्रोफेसर त्रिपाठी, डॉ. अनुपम शुक्ला, संजय अवस्थी, कान्यकुब्ज सभा राजनांदगांव के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप मिश्र, मंच के पूर्व अध्यक्ष आशीष मिश्रा, वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष के.डी. राय, सरजू पारी ब्राह्मण समाज के महासचिव राम-लखन मिश्रा सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयदेव शुक्ला, रामकिंकर मिश्रा, वी.बी. सिंह, अतिवीर सिंह, राकेश शुक्ला, आलोक शुक्ला, ब्रज किशोर द्विवेदी, अंचल शुक्ला, सतीश शुक्ला, स्वदेश शुक्ला, सी.के. तिवारी, गार्गी मिश्रा, राजश्री अवस्थी, संदीप दीक्षित, श्रवण शुक्ल, विजय तिवारी, शैलेन्द्र दुबे, गुरु प्रसाद तिवारी, विजया मिश्रा, शकुंतला तिवारी, सुशीला दीक्षित, पी.के. तिवारी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कल रिसाली दशहरा मैदान में जगमगाएंगे सेवा और संकल्प के 51 हजार दीप

रिसाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के गौरवशाली सार्वजनिक सेवा जीवन को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को रिसाली दशहरा मैदान में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सामूहिक रूप से 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने रिसाली नगर पालिक निगम सभागार में विधायक ललित चंद्राकर ने आवश्यक बैठक ली। बैठक में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, रिसाली मंडल एवं मरोदा-पुरैना मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, दीप प्रज्ज्वलन, स्वच्छता, साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था तथा ध्वनि-प्रकाश सहित विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के तहत रिसाली विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर 100 दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा नगर के प्रमुख चौक-चौराहों, मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर भी दीप सज्जा और दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। मुख्य आयोजन रिसाली दशहरा मैदान में होगा, जहां शाम 7 बजे सामूहिक रूप से 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार शाम 5 बजे से साज-सज्जा एवं बैठक व्यवस्था शुरू होगी। शाम 6 से 6.30 बजे तक भव्य रंगोली प्रदर्शन और दीप प्रज्ज्वलन की तैयारियां की जाएंगी। इसके बाद शाम 7 बजे सामूहिक रूप से 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

मोदी जी के 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प अभियान

कल पुलिस लाइन में सवा लाख दिये जलाएं जाएंगे

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां की जा रही हैं, इसी क्रम में 17 सितंबर को शाम सवा लाख दिए जलाये जायेंगे जिसके तैयारी को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सुरेंद्र कौशिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित जिला प्रशासन के साथ कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की राजनीतिक एवं जनसेवा यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्रप्रथम की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। जनसेवा से राष्ट्रसेवा तक, विकास से विरासत तक प्रधानमंत्री जी ने हर कदम देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ाया है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सेवा यात्रा केवल 25 वर्षों का पड़ाव नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के विश्वास, परिश्रम और आकांक्षाओं को नई दिशा देने वाली यात्रा है। हर योजना, हर प्रयास और हर कदम देशहित एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है।

श्री यादव ने कहा कि सेवा का सफर संकल्प की नई उड़ान के भाव के साथ 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाला यह अभियान प्रधानमंत्री जी की सेवा भावना को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं भारतीय जनता पार्टी संगठन के समन्वय से संभाग स्तरीय विभिन्न सेवा गतिविधियां, जनकल्याणकारी कार्यक्रम एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाया जाएगा।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। आज विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है। 25 वर्षों की सेवा यात्रा हमें आने वाले वर्षों में और अधिक समर्पण के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है।

प्रदेश में फर्जी पेस्ट कंट्रोल कंपनियों का जाल, पीएमए ने किया सावधान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

छत्तीसगढ़ में घर, दुकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को दीमक, कॉकरोच, खटमल, चींटी और चूहों से मुक्ति दिलाने के नाम पर फर्जी पेस्ट कंट्रोल कंपनियों का जाल तेजी से फैल रहा है। पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन-पुणे के छत्तीसगढ़ रीजन हेड मजहर नदीम ने इस गंभीर समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए आम जनता को सतर्क रहने की अपील की है। मजहर नदीम ने बताया कि प्रदेश में कई फर्जी कंपनियां बिना किसी वैध लाइसेंस के अवैध रूप से पेस्ट कंट्रोल का कारोबार चला रही हैं, जबकि कृषि विभाग से स्वीकृत और रजिस्टर्ड कंपनियों की संख्या बेहद सीमित है। इंटरनेट पर सर्च करते ही सबसे पहले इन्हीं फर्जी कंपनियों के लुभावने विज्ञापन और प्रोफाइल सामने आते हैं। ग्राहक इनके झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।

5 से 10 साल की फर्जी गारंटी देकर कर रहे ठगी : मजहर नदीम ने बताया कि ये ठग कंपनियां ग्राहकों को 5 से 10 साल की सर्विस गारंटी का झांसा देकर 12,000 से 22,000 रुपये या उससे भी अधिक वसूल लेती हैं। काम कराने के कुछ ही महीनों बाद जब कीट-पतंगे दोबारा पनपने लगते हैं, तो संपर्क करने पर दिए गए मोबाइल नंबर बंद मिलते हैं। जब पीड़ित दिए गए पते पर पहुंचते हैं, तो वहां किसी फर्म का अस्तित्व ही नहीं होता। ऑनलाइन संचालन, फर्जी पते और बार-बार बदले जाने वाले सिम कार्ड के कारण ऐसी ठग कंपनियों पर सीधी कानूनी कार्रवाई करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

फर्जी पेस्ट कंट्रोल कंपनी को ऐसे पहचानें सुझाव : मजहर नदीम ने कहा कि फर्जी पेस्ट कंट्रोल कंपनियों के जाल में फंसने से सावधान रहें और किसी भी कंपनी को काम सौंपने से पहले कृषि विभाग द्वारा जारी वैध पेस्ट कंट्रोल लाइसेंस और पंजीकरण संख्या अवश्य जांचें। केवल इंटरनेट पर लिखे पते या विज्ञापन पर भरोसा न करें, स्वयं जाकर कंपनी के दफ्तर का सत्यापन करें। मौखिक दावों के बजाय कंपनी के लेटरहेड पर जीएसटी (जीएसटी) नंबर युक्त पक्का बिल, रसीद और लिखित गारंटी प्राप्त करें। 5 से 10 साल की अवास्तविक गारंटी देने वाले लुभावने विज्ञापनों के झांसे में तुरंत न आएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी भुगतान लेने के बाद नंबर बंद कर दे या फर्जी निकले, तो तत्काल पुलिस और उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराएं। मजहर नदीम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे सिर्फ मान्यता प्राप्त और वैध लाइसेंस धारक पेस्ट कंट्रोल एजेंसियों से ही सेवाएं लें, ताकि किसी भी प्रकार की ठगी और असुरक्षित रसायनों के इस्तेमाल से बचा जा सके।

भाजपा धमधा कार्य समिति बैठक व सेवा संकल्प अभियान की हुई संयुक्त बैठक

लोकसभा सांसद विजय बघेल और विधायक साजा ईश्वर साहू ने कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भाजपा मंडल धमधा में कार्य समिति एवं सेवा संकल्प अभियान की संयुक्त बैठक 14 सितंबर को आहुत की गई इस बैठक की अध्यक्षता लोकेंद्र ब्रह्म भट्ट ने की, बैठक में प्रमुख वक्ता के रूप में जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार रहे जिन्होंने सेवा पखवाड़ा अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और कार्यकताओं को अभियान को सफल बनाने के दिए टिप्स ,बैठक में मंडल प्रभारी नितेश अग्रवाल ने आगामी कार्य योजना एवं संगठन के विषय पर कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद विजय बघेल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की गुजरात के भूकंप जैसी त्रासदी के बाद मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास की नई दिशा प्रधानमंत्री के रूप में संभाली और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया, विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत निर्धारित 13 कार्यक्रमों में से 9 कार्यक्रम मंडल स्तर पर आयोजित किए जाएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक के सफर में देश हित के लिए कार्य और उपलब्धियां को जनता तक पहुंचाने का कार्य कार्यकताओं का है।

उन्होंने कार्यकताओं से अभियान के कार्यक्रम को प्रभावित तरीके से आयोजित करने और नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन सेवा समर्पण से जुड़ी उपलब्धियां को जनता तक पहुंचाने की बात कही, उन्होंने अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत को विश्व शिखर पर लाने के लिए कार्य किया, भाजपा के लिए सेवा ही संगठन है नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हर अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचने के लिए संकल्पित रहकर काम करने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक बूथ स्तर पर चलाई जाने वाले इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्म भट्ट ने समर्पित होकर कार्य करने और संगठन को मजबूत करने का आवाहन किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष बृजेंद्र दानी, किसान मोर्चा अध्यक्ष रोहित राजपूत ,व्यवसायिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिलीप गुप्ता ,वरिष्ठ पार्षद चंद्रिका प्रसाद ,भट्ट मलिक कुरेशी ,पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश साहू ,मंडल महामंत्री छगन साहू ,उपाध्यक्ष मंजू , मंडल मंत्री मनोज साहू ,जितेंद्र देवांगन, मनमोहन चंदेल, मंगेश्वर वर्मा ,दयानंद सिंह, सोनिया मिश्रा, श्वेता शर्मा ,बलदेव पाल ,नरोत्तम मांडवी, क्षेत्रपाल चंदेलिया, कुरेशी, गिरधारी साहू, योगेश बंजारे ,दिनेश यादव ,सागर वर्मा, संतोष निर्मलकर ,तारण साहू ,राघवेंद्र ठाकुर ,भगत वर्मा ,तुलसी पटेल ,राम प्रकाश ,सुनील सिंह, शीला शर्मा ,राजेश पाल, जागेश्वर मांडवी ,राम सिंह साहू ,प्रदीप पटेल एवं मंडल के मोर्चा अध्यक्ष शक्ति केंद्र संयोजक बोथ अध्यक्ष और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहकारी बैंक की शाखाओं व समितियों में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन

प्रीतपाल बेलचंदन के नेतृत्व में सहकारिता विभाग की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के बैंक मुख्यालय स्थित सभा भवन में 14 सितंबर को सहकारी जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अभियान की शुरूआत 17 सितंबर को सहकारिता के दीप प्रज्ज्वलित कर की जाएगी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के कार्यक्षेत्र अंतर्गत संचालित प्रत्येक सहकारी समिति के कार्यालय में शाम 7 बजे 101 दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम संबंधित समिति के प्राधिकृत अधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित होगा।

इस अवसर पर समिति के कार्यक्षेत्र में आने वाले कृषक सदस्यों को सादर आमंत्रित कर उनका तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। बैठक में सेवा संकल्प अभियान को सहकारिता क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों, किसानों एवं समिति सदस्यों की सहभागिता के साथ प्रभावी रूप से आयोजित करने पर जोर दिया गया। अभियान के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में सेवा, सहभागिता और जनकल्याण की भावना को मजबूत करने तथा किसानों को सहकारी संस्थाओं से जोड़कर उनके हित में संचालित गतिविधियों को व्यापक रूप से पहुंचाने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष नरेश यदु, संयुक्त आयुक्त सहकारिता मुकेश ध्रुव, पूर्व संचालक लखनलाल गुरुपंच, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.के. वर्मा, प्रदेश संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ संजीव तिवारी, संभाग संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ जयनारायण बस्तरिया, सहकारिता प्रकोष्ठ धमधा के यशवंत कुमार वर्मा, किसान मोर्चा जिला दुर्ग के महामंत्री राजेन्द्र यादव, प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा कार्यसमिति सदस्य मुकेश बेलचंदन, प्राधिकृत समिति परसदा के कुलदीप साहू, प्राधिकृत गोरकापार तुलेश्वर चंद्राकर, वरिष्ठ किसान शीतल कुमार चंद्राकर, अशोक कुमार (पप्पु यादव), जिला संयोजक सहकारिता तिलक राम निषाद, मीडिया प्रभारी सहकारी प्रकोष्ठ जिला बालोद श्यामलाल साहू, किसान मोर्चा बालोद जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र देशमुख सहित बैंक एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैंक अधिकारी हृदेश शर्मा, एस.के. निवसरकर, कुसुम ठाकुर, आर.के. वारे (नोडल अधिकारी बेमेतरा) तथा हेमंत पटेल (सहायक नोडल बालोद) भी बैठक में मौजूद रहे।

मरीजों की सेवा में आगे आई सांई नाथ जन सेवा समिति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्री सांई नाथ जन सेवा समिति द्वारा सामाजिक एवं मानव सेवा की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल, सुपेला में भर्ती जरूरतमंद मरीजों के लिए 50 बेडशीट वितरित की गईं। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अस्पताल के प्रभारी चिकित्साधीक्षक डॉ. पीयम सिंह से भेंट कर मरीजों के उपयोग के लिए बेडशीट सौंपी।

समिति पदाधिकारियों ने कहा कि अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए भविष्य में भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। संस्था द्वारा पूर्व में अस्पताल को चार कूलर भी प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अलावा मरीजों एवं उनके परिजनों को चाय-बिस्किट, फल वितरण सहित अन्य आवश्यक सेवाएं भी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाती हैं। समिति जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की सहायता के साथ रक्तदान जागरूकता, जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता तथा अन्य जनसेवा कार्यों में भी सक्रिय है। संस्था सदस्यों ने कहा कि जरूरत के समय किसी व्यक्ति के काम आना ही सच्ची मानव सेवा है और सक्षम लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार समाज के जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

इस अवसर पर एन.एन. राव, एम.वी. राव, के. उमाशंकर राव, संदीप गुप्ता, एम. पापाराव, जगमैंया, डी. येसैया, वी. तिरुपति, सीएच. अप्पलस्वामी, जी. माधव राव, श्रीनिवास, पी. भरत, सुजल जायसवाल, एम. कोटेश्वर राव सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने नागरिकों से जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य विशेष अवसरों पर जरूरतमंदों की सहायता कर मानव सेवा को बढ़ावा देने की अपील की।

एआई के दौर में मौलिक अभिव्यक्ति और भाषाई संवेदना को बचाए रखना जरूरी : प्रो. संजय द्विवेदी

हिंदी दिवस पर आशा पारस फाउंडेशन द्वारा 'एआई और भाषायी चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

हिंदी दिवस के अवसर पर आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत द्वारा मंगलवार को 'एआई और भाषायी चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता एवं भाषा के क्षेत्र से जुड़े विद्वानों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बढ़ते प्रभाव, भाषाई मौलिकता तथा मानवीय अभिव्यक्ति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. संजय द्विवेदी, पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली ने कहा कि एआई के दौर में स्वयं की वैचारिक अभिव्यक्ति धीरे-धीरे कम होती जा रही है। आज साहित्य को पढ़कर और समझकर लिखने के बजाय उसे सर्च करके लिखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में हिंदी किस प्रकार सक्षम और प्रभावशाली बने, इसकी जिम्मेदारी केवल तकनीक की नहीं बल्कि हम सभी की भी है। हमें हिंदी को डिजिटल माध्यमों पर अधिक समृद्ध और सक्षम बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

मुख्य वक्ता प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, निदेशक, यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, बीएचयू, वाराणसी ने कहा कि एआई शब्दों को पकड़ सकता है, लेकिन भाव और भावना को नहीं पकड़ सकता। हालांकि भविष्य में तकनीक किस स्तर तक पहुंचेगी, यह कहना कठिन है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भाषाई संवेदना को बचाए रखना अत्यंत आवश्यक है। एआई हमारे लिए उपयोगी उपकरण है और हमें इसका उपयोग करना चाहिए, लेकिन इसका उपयोग करते समय अपनी मौलिकता और रचनात्मकता को नहीं छोड़ना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. आशा शुक्ला, पूर्व कुलपति एवं प्रबंध निदेशक, आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत ने कहा कि एआई ने हमारे समय और श्रम को काफी हद

तक बचाया है, लेकिन एआई द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री का सत्यापन करना हमारी बौद्धिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसी विषय की सामग्री को सही ढंग से परख और सत्यापित वही व्यक्ति कर सकता है, जिसे उस विषय की गहरी समझ हो। इसलिए हमें एआई का विरोध करने के बजाय उसका स्मार्ट और जिम्मेदार उपयोग करना सीखना चाहिए। विशिष्ट वक्ता पंकज शुक्ला, वरिष्ठ संपादक, सुबह सवेरे एवं सलाहकार, मध्यप्रदेश विधानसभा, भोपाल ने कहा कि आज हम एआई को जितना अधिक और बेहतर इनपुट देंगे, वह उतना ही समृद्ध होता जाएगा। इसलिए हिंदी भाषा की समृद्धि और विविधता को एआई तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हिंदी को तकनीकी एवं डिजिटल माध्यमों में मजबूत बनाने के लिए हिंदी भाषी समाज को अधिक सक्रियता से योगदान देना होगा।

कार्यक्रम में स्वागत एवं प्रस्तावना वक्तव्य प्रो. अंजली औधिया, प्राचार्य, शासकीय कमला देवी महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ द्वारा दिया गया। उन्होंने एआई और भाषाओं के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हुए कहा कि जो भाषाएं एआई की दुनिया से दूर रह जाएंगी, क्या वे धीरे-धीरे विलुप्त होने की स्थिति में पहुंच सकती हैं, यह चिंतन का विषय है। उन्होंने कहा कि तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, लेकिन मानव मस्तिष्क की रचनात्मकता का अपना विशिष्ट महत्व है। मानवीय सोच, संवेदना और सृजनशीलता को तकनीक के साथ संतुलित रखना आवश्यक है।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव रचनात्मकता का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। भाषा, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में एआई के उपयोग के साथ-साथ मौलिक चिंतन, मानवीय संवेदना, तथ्यपरकता और भाषाई विविधता की रक्षा करना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं भाषा प्रेमियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन लव चावड़ीकर, कार्यकारी प्रबंधक, आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत द्वारा किया गया।

खास खबर

नुआखाई समृद्ध कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाता के परिश्रम का उत्सव : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई फसल के स्वागत और प्रकृति के अनुपम उपहार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाले पावन पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अन्नदाता किसानों की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और सभी परिवारों की खुशहाली की मंगलकामना की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई समृद्ध कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नई फसल के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्न के सम्मान और किसान के अथक परिश्रम के प्रति आदर का भाव प्रकट करता है। खेतों में उपजी नई फसल केवल किसान की मेहनत का प्रतिफल नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा और हमारी कृषि प्रधान संस्कृति की समृद्धि का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हमारे अनेक पर्व और परंपराएं कृषि चक्र, प्रकृति और लोकजीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई अपनी मिट्टी, अपनी जड़ों और अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक आत्मीयता, पारिवारिक एकजुटता और आपसी सद्भाव को भी मजबूत करता है। नई फसल की खुशियां जब परिवार और समाज मिलकर साझा करते हैं, तब लोकसंस्कृति और अधिक जीवंत तथा समृद्ध होती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नुआखाई के पावन अवसर पर कामना करते हुए कहा कि प्रकृति की कृपा छत्तीसगढ़ पर सदैव बनी रहे। हमारे किसान साथियों के खेत हरे-भरे और फसलों से लहलहाते रहें, अन्न के भंडार भरें तथा अन्नदाताओं के घर-आंगन में समृद्धि आए। प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का संचार हो तथा आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव निरंतर मजबूत होता रहे।

सेवा संकल्प अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर प्रभारी मंत्री अरुण साव ने ली वर्चुअल बैठक

रायपुर। कांकेर जिले में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। सांसद भोजराज नाग, विधायक आशाराम नेताम और जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी बैठक में वर्चुअली शामिल हुई। कलेक्टर कुन्दन कुमार भी जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुए। उन्होंने प्रभारी मंत्री अरुण साव के समक्ष जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं जनभागीदारी कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने सभी स्कूलों में विशेष गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय खुलने के पश्चात प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी जाए तथा उन्हें स्वच्छता की शपथ दिलाई जाए। विद्यार्थियों को स्वयं स्वच्छ रहने के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता विकसित हो सके।

श्री साव ने सेवा संकल्प अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने पर जोर दिया। हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, कांकेर नगर पालिका के अध्यक्ष अरुण कौशिक, महेश जैन, बृजेश चौहान, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी और अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे सहित अनेक जनप्रतिनिधि तथा अभियान से संबंधित सभी नोडल अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

देश-दुनिया के गोल्फ मानचित्र पर नई पहचान बना रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने किया डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 की ट्रॉफी का अनावरण, गोल्फ में हाथ आजमाकर बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ तेजी से देश के उभरते स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं के विस्तार, प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खेल आयोजनों की मेजबानी से छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। अब प्रोफेशनल गोल्फ के बड़े टूनार्मेंट का नवा रायपुर में आयोजन इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिजॉर्ट में प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास व्यक्त किया कि डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगा और नवा रायपुर को देश-दुनिया के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतियोगिता की आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण किया तथा देश-विदेश से आए प्रोफेशनल गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर 1983 क्रिकेट विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान एवं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री कपिल देव की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने गोल्फ कोर्स पर स्वयं गोल्फ में हाथ आजमाया और शानदार शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री को गोल्फ खेलते देखकर उपस्थित खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और अतिथियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

132 प्रोफेशनल खिलाड़ियों की भागीदारी छग के लिए गौरव का अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवा रायपुर में देश के प्रोफेशनल गोल्फ का इतना प्रतिष्ठित आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में देश-विदेश के 132 प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 18 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इतने बड़े स्तर पर देश और दुनिया के श्रेष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ आना प्रदेश में खेलों के लिए विकसित हो रहे अनुकूल वातावरण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का प्रभाव केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं रहता। इससे प्रदेश की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होती है, खेल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है और स्थानीय युवाओं को विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को करीब से देखने एवं उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न खेलों के बड़े आयोजन लगातार हों और प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध हो।

हर वर्ष छत्तीसगढ़ में हो गोल्फ का बड़ा टूनार्मेंट : कपिल देव

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं 1983 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव ने डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 के आयोजन में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े प्रोफेशनल आयोजन किसी भी प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और नई प्रतिभाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कपिल देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गोल्फ के साथ-साथ अन्य खेलों के विकास की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि इस प्रतिष्ठित गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ में प्रत्येक वर्ष हो और आने वाले वर्षों की तारीखें पहले से निर्धारित की जाएं। इससे देश-विदेश के प्रोफेशनल खिलाड़ी अपने अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट कैलेंडर के अनुरूप छत्तीसगढ़ आने की योजना बना सकेंगे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का वातावरण गोल्फ के लिए बेहद अनुकूल है और यहां खिलाड़ियों को मिल रहा आत्मीय आतिथ्य इसकी एक विशेष पहचान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार आज दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता गोल्फ के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में जाने जाते हैं, उसी तरह आने वाले समय में छत्तीसगढ़ भी देश के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा। कपिल देव ने खेलों के प्रति मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सकारात्मक सोच की सराहना करते हुए गोल्फ जैसे खेल को प्रोत्साहित करने और बड़े प्रोफेशनल टूनार्मेंट के आयोजन को सहयोग देने के लिए उनका विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

पहले फिल्मों में देखते थे गोल्फ, आज छग कर रहा बड़े टूनार्मेंट की मेजबानी

मुख्यमंत्री साय ने गोल्फ से जुड़ी अपनी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था, जब हम गोल्फ के बारे में केवल सुना करते थे या फिल्मों में लोगों को गोल्फ खेलते देखते थे। आज बदलते छत्तीसगढ़ में हम स्वयं प्रोफेशनल गोल्फ के इतने बड़े आयोजन की मेजबानी कर रहे हैं। यह प्रदेश के विकास के साथ यहां तेजी से विस्तार ले रही खेल संस्कृति का सुखद संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोल्फ को सामान्यतः उद्योगपतियों और संपन्न वर्ग से जुड़ा खेल माना जाता था, लेकिन समय के साथ इस खेल का दायरा बढ़ा है और बड़ी संख्या में नए खिलाड़ी इससे जुड़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी गोल्फ की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। राज्य सरकार गोल्फ को प्रोत्साहित करने, इसके लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार और प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं के आयोजन में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

खेल अधोसंरचना के विस्तार के साथ प्रतिभाओं को मिल रहे नए अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रदेश की पहचान से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल भव्य क्रिकेट स्टेडियम मौजूद है और विभिन्न खेल विधाओं के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन लगातार हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर संसाधन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन को बजट में शामिल किया है। सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के आगे बढ़ने में संसाधनों और अवसरों की कमी बाधा नहीं बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में खेलों के प्रति व्यापक वातावरण तैयार किया जा रहा है। प्रदेश में नेशनल ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन हुआ, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 2500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे अभिनव आयोजनों ने दूरस्थ अंचलों के हजारों बच्चों और युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का बड़ा मंच प्रदान किया है।

बस्तर में शांति और विकास के साथ युवाओं के सपनों को मिल रही नई उड़ान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से बस्तर में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। आज बस्तर शांति, विश्वास, विकास और नई संभावनाओं की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक में युवाओं की व्यापक भागीदारी इस सकारात्मक बदलाव की सशक्त अभिव्यक्ति है। जिन क्षेत्रों को कभी हिंसा और नक्सलवाद के कारण जाना जाता था, वहां आज खेल के मैदानों में युवा अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और सपनों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह बदलते बस्तर और बदलते छत्तीसगढ़ की तस्वीर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स सहित अनेक खेल विधाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अब प्रोफेशनल गोल्फ के बड़े आयोजनों का सिलसिला प्रदेश की खेल यात्रा को एक नया आयाम प्रदान करेगा।

गोल्फ के साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को भी जानें - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंचे देश-विदेश के खिलाड़ियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों को देखने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जब यहां से लौटें तो अपने साथ केवल टूनार्मेंट की यादें ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोगों के आत्मीय आतिथ्य और यहां की खूबसूरत स्मृतियां भी लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति ने छत्तीसगढ़ को अनुपम सौंदर्य से समृद्ध किया है। बस्तर का प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, जिसे भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है, सहित अनेक जलप्रपात, वन क्षेत्र और प्राकृतिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसी तरह सरगुजा भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ियों, वनों और विशिष्ट संस्कृति के लिए जाना जाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता के साथ समय निकालकर छत्तीसगढ़ को करीब से जानने और यहां के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 के आयोजन से जुड़े सभी प्रायोजकों, प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया की टीम तथा आयोजन से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए प्रतियोगिता की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

पीजीटीआई के सीईओ अमनदीप चहल ने कहा कि प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया की टीम जब भी छत्तीसगढ़ आती है, यहां उसका आत्मीय और भव्य स्वागत होता है। छत्तीसगढ़ में खेलने वाले खिलाड़ी यहां के वातावरण, गोल्फ कोर्स और व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर दोबारा यहां आकर खेलने की इच्छा व्यक्त करते हैं। छत्तीसगढ़ को अब पर्यटन और अन्य खेलों के साथ-साथ एक उभरते हुए गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में भी पहचाना जाने लगा है।

उल्लेखनीय है कि डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026 का आयोजन न केवल देश-विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों को एक प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध करा रहा है, बल्कि नवा रायपुर और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय गोल्फ मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। राज्य में लगातार हो रहे बड़े खेल आयोजन, विकसित होती खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों के लिए तैयार हो रहे नए अवसर छत्तीसगढ़ को आने वाले समय में देश के प्रमुख स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।

सड़क किनारे पसरे पर अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री साय, मीरा के पसरे से खरीदा आशीर्वाद का दीया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर के तेलीबांधा मरीन ड्राइव में सड़क किनारे पसरा लगाकर मिट्टी के दीये बेच रही मीरा के लिए आज का दिन अचानक बेहद खास बन गया। रोज की तरह वह अपने छोटे से पसरे पर दीये सजाकर ग्राहकों की प्रतीक्षा कर रही थी। इसी बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का काफिला अचानक उसके पसरे के पास जाकर रुक गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीरा के पसरे पर रखे मिट्टी के दीयों को देखा और सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के लिए वहीं से एक दीया खरीदा। मुख्यमंत्री ने महिला को एक हजार रुपए प्रदान किए। मुख्यमंत्री का यह सहज भाव स्थानीय स्तर पर छोटे व्यवसाय के माध्यम से आजीविका अर्जित करने वाली मीरा के श्रम, स्वाभिमान और स्वावलंबन के सम्मान का सुंदर संदेश भी दे गया।

मुख्यमंत्री का सड़क किनारे लगे छोटे से पसरे पर अचानक पहुंचना आसपास मौजूद लोगों के लिए भी सुखद आश्चर्य का अवसर बन गया। बिना

किसी औपचारिकता के मुख्यमंत्री ने मीरा से उसके कामकाज और परिवार का हालचाल पूछा।

बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने मीरा से पूछा कि उसे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री के सवाल पर मीरा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उसका बैंक खाता खुल चुका है। उसने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत उसे हर महीने एक हजार रुपए की राशि प्राप्त हो रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह राशि उनके छोटे-बड़े दैनिक खर्चों में सहयोग देने के साथ उनमें आर्थिक आत्मविश्वास भी बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क किनारे पसरा लगाने वाले छोटे विक्रेता हों, कुम्हार हों, शिल्पकार हों अथवा स्थानीय उत्पाद तैयार करने वाली हमारी माताएं और बहनें - इन सभी के परिश्रम में आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की शक्ति निहित है। अपने हुनर और मेहनत से आजीविका अर्जित करने वाले ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाना केवल किसी वस्तु की खरीद नहीं है। उसके पीछे किसी परिवार का श्रम, किसी कारीगर का हुनर और किसी छोटे व्यवसायी के आत्मसम्मान से जुड़ी आजीविका होती है। जब हम स्थानीय विक्रेताओं और कारीगरों से सामान खरीदते हैं तो हमारे इस छोटे से प्रयास से उनके परिवार और उनकी आजीविका को संबल मिलता है।

सेवा और जनभागीदारी का प्रतीक बनेगा आशीर्वाद का दीया : मुख्यमंत्री साय द्वारा मीरा से खरीदा गया मिट्टी का यह दीया सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, जनकल्याण और विकास के प्रति सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति में दीया केवल प्रकाश का माध्यम नहीं, बल्कि आशा और सकारात्मक संकल्प का प्रतीक है। मिट्टी का एक छोटा-सा दीया जब जलता है तो अपने आसपास के अंधकार को दूर करता है। इसी तरह समाज का प्रत्येक व्यक्ति जब सेवा का एक छोटा-सा संकल्प लेकर आगे बढ़ता है तो सामूहिक प्रयास से बड़े और सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद का दीया इसी भावना को अभिव्यक्त करता है। यह सेवा और विकास के प्रति हमारे संकल्प तथा जनभागीदारी के सामर्थ्य का प्रतीक है। प्रदेश के नागरिक जब इस भावना से जुड़ेंगे तो सेवा का यह संकल्प घर-घर और जन-जन तक पहुंचेगा।

सेवा को जन-जन का संकल्प बनाने का अभियान : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को जनभागीदारी के माध्यम से और मजबूत करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सेवा संकल्प अभियान से पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ जुड़ें। अपने गांव, शहर और आसपास स्वच्छता के कार्यों में सहभागी बनें, पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं, जरूरतमंदों की सहायता करें और अपनी क्षमता के अनुरूप जनसेवा का कोई न कोई संकल्प अवश्य लें। उन्होंने कहा कि सेवा का कोई कार्य छोटा नहीं होता। किसी जरूरतमंद की सहायता, अपने आसपास स्वच्छता, एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना, स्थानीय कारीगर से कोई वस्तु खरीदना अथवा समाज के हित में किया गया छोटा-सा प्रयास भी जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

संपादकीय

मिलने गए तो मलेशिया के प्रधानमंत्री तो मिले

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन दो दिन चला और दोनों दिन पूरे देश में विश्व के नेताओं के साथ पीएम मोदी की चर्चा रही। अखबार हो या टीवी चैनल सभी जगह विश्व के नेता व मोदी छाए रहे, उन्हीं की बातें होती रहीं। किसने क्या कहा, उसका क्या मतलब है, इसका विश्लेषण होता रहा ।चर्चा होती रही कि सम्मेलन सफल रहा, विश्व में सम्मेलन की और मोदी की खूब तारीफ हुई। सबने हर तरह से सम्मेलन को सफल बताया ।कांग्रेस और राहुल गांधी की कोई खबर नहीं थी तो खबर में रहने के लिए कुछ तो करना था कांग्रेस व राहुल गांधी को ।इसके लिए किया यह गया कि मलेशिया के पीएम से राहुल गांधी व प्रियंका गांधी मिलने चले गए। अब मिलने चले गए तो खबर तो बननी ही थी कि राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहीम से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने भारत व मलेशिया के द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

राहुल गांधी व प्रियंका चाहते तो यह बात किसी को पता नहीँ चलती लेकिन इसे खबर की तरह प्रचारित करना था इसलिए कांग्रेस ने इसे सोशल मीडिया पर फोटो को पोस्ट किया तो देश को पता चला कि इतने सारे बड़े नेताओं में मलेशिया के पीएम से राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने मुलाकात की। देश को यह भी पता चला कि आज भी गांधी परिवार के दोस्त विश्व के बड़े नेता हैं। वैसे बताया तो यह जाता है कि मलेशिया के पीएम के गांधी परिवार से पुराने संबंध है, वह राहुल गांधी के दोस्त है, वह जब भी भारत आते हैं, राहुलगांधी से जरूर मिलते हैं। कई लोग कह सकते हैं कि क्या दिन आ गए हैं गांधी परिवार के ।उनको मिलने के लिए दूसरे देश के पीएम के पास जाना पड़ रहा है। एक वक्त यह भी था कि भारत जब भी विश्व का कोई बड़ा नेता आता था वह गांधी परिवार के लोगों से जरूर मिलता था। कांग्रेस सत्ता में नहीं भी थी तो कई देशों के नेता सोनिया गांधी से जरूर मिलने आते थे।

पीएम मोदी के आने के बाद यह परंपरा खत्म हो गई है ।इससे गांधी परिवार को लगता तो होगा कि उनका महत्व देश में कम हो गया है ।कई बार गांधी परिवार के लोगों की तरफ से बयान भी आता है कि पीएम मोदी विश्व के नेताओं से राहुल गांधी को मिलने नहीं देते हैं ।इस बार तो यह बात गलत साबित हो गई न क्योंकि राहुल गांधी व प्रियंका मलेशिया के पीएम से मिलने गए तो उनको किसी ने कहां रोका। हकीकत यह है कि विश्व के बड़े नेताओं को जो कार्यक्रम उनके देश में बनता है यहां उसी कार्यक्रम के हिसाब से वह लोगों से मिलते हैं। राहुल गांधी से मिलने का कार्यक्रम ही नहीं होता है वह कैसे राहुल गांधी से मिल सकते हैं ।दरअसल कांग्रेस ने अपने समय में ऐसी कोई परंपरा ही नहीं बनाई कि विश्वस्तरीय कोई कार्यक्रम हो तो उसमें विपक्ष के नेता को भी बुलाया जाए ।यही वजह है कि आज भी देश में विश्वस्तरीय कोई कार्यक्रम होता है तो उसमें विपक्ष के नेता को नहीं बुलाया जाता है।

देश में जो भी राष्ट्रीय कार्यक्रम होते हैं,उसमें विपक्ष के नेता के तौर पर बुलाया जाता है जैसे पिछले 15 अगस्त को बुलाया गया तो राहुल गांधी नहीं आए ।कई बार बुलाने पर भी राहुल गांधी राष्ट्रीय कार्यक्रम में नहीं जाते हैं,जब बुलाने पर आते ही नहीं है तो इस बार राहुल गांधी को सम्मेलन के दौरान आयोजित रात्रि भोज में भी नहीं बुलाया गया। जबकि सलमान खुर्शीद ने मांग भी की थी कि विपक्ष को भी सम्मेलन में बुलाया जाना चाहि ।रात्रि भोज में सभी राज्यों के सीएम को,केंद्रीय मंत्रियों को बुलाया गया था। पीएम मोदी ने कई बड़े नेताओं से भाजपा नेताओं को मिलवाया भी ताकि वह भी वाकिफ रहे कि मोदी के बाद भारत की कमान यही लोग संभालने वाले हैं ।पीएम मोदी अपनी पार्टी की दूसरी लाइन तैयार करने में सजग रहते हैं ताकि भाजपा में हर स्तर पर नेतृत्व करने वालों की कमी न रहे।

कोई आयोजन हो और कांग्रेस नेता उसकी आलोचना न करें ऐसा तो हो नहीं सकता। इस बार कांग्रेस की आपत्ति इस बात को लेकर थी कि इतने बड़े आयोजन में बड़े बड़े नेताओं का शाकाहारी भोजन परोसा गया। मांसाहारी भोजन नहीं परोसा गया ।राहुल गांधी ने पोस्ट में देश को बताया कि देश में ज्यादातार लोग मांसाहारी है और भारतीय मांसाहारी व्यंजन बहुत स्वादिष्ट होते है। वही पवन खेड़ा ने कहा कि खान पान की अपनी पसंद देश के लोगों पर थोपने की भाजपा की पुरानी आदत है ।अब विश्व के गणमान्य लोगों पर भी भाजपा ने अपनी पसंद थोप दी ।इस पर किरन रिजिजू ने पलटवार करते कहा कि विपक्ष के पास शिखर सम्मेलन की आलोचना के लिए सिर्फ खाने का मेनू है तो यह सम्मेलन की सफलता को बताता है ।जहां तक सम्मेलन के दौरान भोजन का सवाल है तो वह मांसाहार तो हो नहीं सकता था क्योंकि पीएम मोदी व भाजपा सनानत को मानने वाले लोग हैं। वह ऐसा नहीं करते तो उनकी आलोचना यह कहकर होती कैसे सनातनी हैं। देश के सनातनी भी मांसाहार परोसने पर नाराज होते। पीएम मोदी व भाजपा सनातनियों को नाराज नहीं कर सकते ।यही वजह है कि हर सम्मेलन में कुछ न कुछ ऐसा किया जाता है कि सनातनी खुश रहें,संतुष्ट रहें।

बसपा में उथल-पुथल, आकाश आनंद और दलित वोटरों पर सबकी नजर

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के भीतर मचे घमासान से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि आखिर पार्टी का परंपरागत दलित वोट बैंक अब किस दिशा में जाएगा। मायावती ने 3 सितंबर 2026 को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और अपने उत्तराधिकारी के पद से हटाया था, और महज एक हफ्ते बाद 10 सितंबर को उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी पूरी तरह मुक्त कर दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने भी इसी दौरान सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे बसपा के भीतर पारिवारिक विवाद खुलकर सामने आ गया। हाल ही में लखनऊ में मीडिया से बातचीत में मायावती ने अपनी सेहत को लेकर उड़ी अफवाहों और आकाश आनंद के एक फोन कॉल का जिक्र करते हुए कड़ी नाराजगी भी जताई। इस पूरे प्रकरण ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा की संगठनात्मक स्थिति को कमजोर कर दिया है, और यही कमजोरी अब दूसरे दलों के लिए मौका बन गई है। मायावती के फैसले के फौरन बाद नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने आकाश आनंद के लिए अपनी पार्टी का दरवाजा खोल दिया। चंद्रशेखर ने आकाश को छोटा भाई बताते हुए कहा कि दोनों मिलकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ा सकते हैं। अब मुरादाबाद पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के प्रमुख रामदास आठवले ने भी यही कोशिश दोहराई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यूपी में बसपा से अपना हक वापस लेने का आह्वान किया और याद दिलाया कि सत्तर के दशक में जो चुनाव चिह्न आरपीआई के पास था, वही अब बसपा इस्तेमाल कर रही है। आठवले ने साफ कहा कि अगर आकाश आनंद बाबा साहेब के मिशन को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें आरपीआई से जुड़ना चाहिए, इससे यूपी में संगठन मजबूत होगा। इससे पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी एक पत्रकार के सवाल पर कह चुके हैं कि अगर कोई पत्रकार आकाश आनंद को उनके पास लेकर आए तो वे उन्हें सपा में शामिल कर लेंगे।

इन तीनों दलों की दिलचस्पी में एक साझा गणित छिपा है। आकाश आनंद भले ही संगठनात्मक तौर पर अभी अनुभवहीन माने जाते रहे हों, लेकिन बसपा के युवा और शहरी दलित समर्थकों में, खासकर सोशल मीडिया पर, उनकी पकड़ काफी मजबूत रही है। मायावती लंबे समय से खुद को बाबा साहेब के मिशन और कांशीराम की विरासत का इकलौता वाहक बताती रही हैं, और आकाश को उन्होंने ही इस विरासत का अगला चेहरा बनाकर पेश किया था। ऐसे में अगर आकाश किसी और दल से जुड़ते हैं तो वे उस दल को बसपा की वैचारिक विरासत और उसके जनाधार, दोनों से जोड़ने वाली एक कड़ी बन सकते हैं। यही वजह है कि चंद्रशेखर आजाद और रामदास आठवले जैसे नेता, जो खुद अंबेडकरवादी राजनीति की जमीन पर खड़े हैं, आकाश को अपने पाले में लाकर बसपा के कमजोर पड़ते जनाधार का सीधा फायदा उठाना चाहते हैं ।बसपा का दलित वोट बैंक, खासकर जाटव समुदाय के बीच, उत्तर प्रदेश की सियासत में दशकों से एक निर्णायक ताकत रहा है। यह वोट बैंक भले ही पिछले कुछ चुनावों में सिकुड़ता दिखा हो, फिर भी यह इतना बड़ा जरूर है कि जिस भी गठबंधन या दल के साथ यह जुड़ जाए, चुनावी नतीजों की दिशा बदल सकता है। मौजूदा उथल-पुथल के बीच कांग्रेस ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है और आरोप लगाया है कि मायावती खुद अपनी पार्टी को कमजोर करने पर तुली हैं, जबकि सपा प्रवक्ताओं की ओर से भी बसपा पर परोक्ष रूप से भाजपा की नीतियों का साथ देने के आरोप लगाए गए हैं। यानी विपक्षी खेमे के लगभग सभी बड़े दल इस मौके को बसपा के परंपरागत मतदाताओं में सेंध लगाने के अवसर के तौर पर देख रहे हैं। दरअसल हर दल की रणनीति अलग है। चंद्रशेखर आजाद खुद दलित राजनीति की जमीन पर खड़े हैं और सीधे तौर पर बसपा के वोट बैंक के प्रतिद्वंद्वी दावेदार हैं, इसलिए उनके लिए आकाश आनंद जैसा चेहरा मिलना वैचारिक तालमेल के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार का भी मौका है। रामदास आठवले और आरपीआई के लिए यह मौका उत्तर प्रदेश में लगभग खत्म हो चुकी अपनी राजनीतिक जमीन को फिर से खड़ा करने का है, भले ही आरपीआई फिलहाल एनडीए का हिस्सा है। वहीं सपा और कांग्रेस के लिए यह मौका अपने मौजूदा सामाजिक समीकरण, यानी पिछड़ा-मुस्लिम या सामान्य-दलित गठजोड़ में दलित वोटों की और ज्यादा हिस्सेदारी जोड़ने का है।

दलितों के सामने कौन सा विकल्प, यह अभी तय नहीं

यह कहना जल्दबाजी होगी कि अगर बसपा कमजोर होती है तो उसका दलित वोट बैंक स्वाभाविक रूप से किसी एक दल की तरफ खिसक जाएगा। राजनीतिक विश्लेषक इसे अलग-अलग नजरिए से देखते हैं। एक तबके का मानना है कि कांग्रेस के पास राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय और आरक्षण जैसे मुद्दों पर मुखर रुख और राहुल गांधी की सक्रियता के चलते दलित मतदाताओं को लुभाने की गुंजाइश है, लेकिन राज्य में संगठन की कमजोरी उसकी सबसे बड़ी बाधा है। दूसरी तरफ सपा के पास यूपी में पहले से मजबूत जमीनी ढांचा और पिछड़ा-मुस्लिम आधार मौजूद है, जिसमें दलित वोटों को जोड़ने से एक बड़ा सामाजिक गठजोड़ बन सकता है, हालांकि गैर-जाटव दलितों में सपा को लेकर कुछ हिचक भी देखी जाती रही है।

भाजपा की रणनीति अलग रही है; उसने पिछले कुछ चुनाव चक्रों में गैर-जाटव दलित उपजातियों में सेंध लगाकर और सरकारी योजनाओं के जरिए एक हिस्सा अपने पक्ष में किया है, लेकिन जाटव मतदाताओं में उसकी पैठ अब भी सीमित मानी जाती है ।कुल मिलाकर बसपा का जनाधार बिखरा तो जरूर रहा है, पर यह एकतरफा किसी एक दल की झोली में जाने के बजाय कई दलों में बंटने की संभावना ज्यादा है। यही अनिश्चितता है जिसके चलते चंद्रशेखर आजाद से लेकर रामदास आठवले और अखिलेश यादव तक, हर कोई आकाश आनंद जैसे प्रतीकात्मक चेहरे को अपने साथ जोड़कर इस बिखरते जनाधार पर सबसे पहला दावा ठोकना चाहता है। 2027 के विधानसभा चुनाव तक यह तय होगा कि बाबा साहेब के नाम पर बंटी यह राजनीतिक लड़ाई आखिरकार किस दल को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाती है।

दशलक्षण पर्व — धर्म के दस पड़ाव, खुद से मिलने की एक यात्रा

कृति आरके जैन

आज मनुष्य घर, वस्तुओं और परिवेश को साफ रखने में जितना सजग है, उतना ही अपने भीतर की अशांति से अनजान है। दिगंबर जैन समाज का दशलक्षण पर्व इसी भीतर की सफाई का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व क्रोध, अहंकार, छल, लोभ और आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने और संयमित करने की प्रेरणा देता है। भौतिक सुविधाएं बढ़ने के बावजूद यदि मन अशांत और रिश्ते कमजोर हैं, तो कमी बाहर नहीं, भीतर है। दशलक्षण पर्व इसी सत्य की ओर लौटने और अपने विचार, व्यवहार व जीवन को परखने का अवसर देता है।

दशलक्षण की शक्ति उसके दस नामों में नहीं, उन जीवन-सूत्रों में है जो मनुष्य की कमजोरियों को चुनौती देते हैं। उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य, ब्रह्मचर्य—ये किसी आदर्शलोक की बातें नहीं, जीवन की जरूरत हैं। क्रोध के समय क्षमा, अहंकार के बीच मार्दव, छल के बीच आर्जव और झूठ के शोर में सत्य की जरूरत है। शौच मन और शरीर की निर्मलता, संयम और तप इच्छाओं पर अंकुश, त्याग और आकिंचन्य संग्रह-वृत्ति से मुक्ति तथा ब्रह्मचर्य आत्मनियंत्रण का बोध कराते हैं। इसलिए इन दस धर्मों का क्रम केवल धार्मिक विधान नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र को भीतर से अनुशासित करने की सुविचारित प्रक्रिया है।

मनुष्य दूसरों की गलतियां गिनने में जितना तत्पर रहता है, उतना अपने भीतर झांकने में नहीं। दशलक्षण पर्व इसी आदत को बदलने का अवसर देता है। दिगंबर दर्शन में कर्म-सिद्धांत इसकी दार्शनिक आधारभूमि है—हर विचार और कर्म आत्मा पर सूक्ष्म कर्म-आवरण डालता है, जो दुख और पुनर्जन्म के बंधन का कारण बनता है। इसलिए पर्व में आत्मनिरीक्षण महत्वपूर्ण है। व्यक्ति अपने व्यवहार का लेखा-जोखा करता है, भूल स्वीकारता है और सुधार का संकल्प लेता है। इसका सामाजिक प्रभाव भी स्पष्ट है—जिम्मेदारी स्वीकारने से दोषारोपण और संघर्ष घटते हैं। इस दृष्टि से कर्म-सिद्धांत केवल पाप-पुण्य का विचार नहीं, बल्कि जिम्मेदार जीवन जीने का प्रशिक्षण है।

जब बाजार हर इच्छा तुरंत पूरी करने का वादा कर रहा हो, तब उपवास प्रश्न उठाता है—क्या हर इच्छा पूरी होना जरूरी है? दशलक्षण में तप और उपवास इसी प्रश्न का उत्तर खोजते हैं। दिगंबर अनुयायी अपनी क्षमता और संकल्प के अनुसार पूर्ण या आंशिक व्रत अपनाते हैं। उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं, इंद्रियों पर नियंत्रण पाना है। इच्छा रोकना मन को यह बोध कराता है कि वह इच्छाओं का गुलाम नहीं। ध्यान, स्वाध्याय और तत्त्वार्थ सूत्र जैसे ग्रंथों के अध्ययन से ज्ञान गहराता है। अधिक भोजन, उपभोग और संग्रह के बढ़ते दबाव के बीच तप सिखाता है कि सुख वस्तुओं की अधिकता में नहीं, आवश्यकता की सीमा पहचानने में है।

क्षमा मनुष्य द्वारा अपने लिए किया गया सबसे बड़ा उपकार है, क्योंकि वैर दूसरे से अधिक उसी मन को जलाता है जिसमें वह पलता है। दशलक्षण की क्षमापना इसी गांठ को खोलने का अवसर है। उत्तम क्षमा केवल औपचारिक उच्चारण नहीं, अपने किए-अनकिए अपराधों को स्वीकारने और संबंधों से कटुता हटाने का भाव है। क्षमा का पहला कदम अपनी भूल मानने का साहस है; यही उसे मनोवैज्ञानिक मुक्ति बनाता है। आज सोशल मीडिया के विवाद, कटु टिप्पणियां और मतभेद जल्दी वैमनस्य में बदलते हैं। ऐसे समय में क्षमा संबंधों को जोड़ने वाली शक्ति है—जहां अहंकार पीछे हटता है, वहीं संवाद की जगह बनती है।

धर्म तब जीवंत होता है, जब वह व्यक्तिगत साधना से निकलकर समाज की सामूहिक चेतना बने। दशलक्षण के दौरान जिनालय दर्शन, सामूहिक पूजा, प्रवचन और साधु-साध्वियों का मार्गदर्शन इसी चेतना को मजबूत करते हैं। ये आयोजन केवल धार्मिक गतिविधियां नहीं, नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने के साझा मंच हैं। सामूहिक सहभागिता व्यक्ति को अकेलेपन से बचाती और मूल्यों पर टिके रहने का संबल देती है। यही चेतना अहिंसा में व्यापक होती है। जैन दृष्टि में अहिंसा केवल मनुष्य के प्रति सद्भाव नहीं, समस्त जीव-जगत के प्रति संवेदनशीलता है। इसलिए पर्यावरण-संरक्षण, वृक्षारोपण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी इसके स्वाभाविक विस्तार हैं। जलवायु संकट के दौर में अहिंसक और संतुलित जीवन-दृष्टि का महत्व और बढ़ जाता है।

जीवन में संग्रह बढ़ता जाता है और जिसे हम अपना मानकर जोड़ते रहते हैं, वही धीरे-धीरे हमारे लिए भार बन सकता है। दशलक्षण का त्याग और आकिंचन्य इसी भार से मुक्त होने का मार्ग दिखाते हैं। दान और परोपकार इस भावना को सामाजिक स्वरूप देते हैं। निस्वार्थ दान जरूरतमंद की सहायता के साथ दाता में उदारता और संग्रह से विरक्ति का भाव जगाता है। सामाजिक असमानता के बीच संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण संतोष और सहयोग बढ़ा सकता है। दिगंबर परंपरा का सादगीपूर्ण दान इसी विचार पर आधारित है कि वस्तुओं का संचय सुख की गारंटी नहीं। वास्तविक सुख तब मिलता है, जब अपने पास की वस्तुओं में किसी और का हिस्सा समझने का भाव जागे। त्याग अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण जीवन का नाम है।

दशलक्षण केवल दस दिनों का धार्मिक अनुशासन नहीं, जीवन की दिशा बदलने का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व मनुष्य को भीतर झांकने और क्रोध, अहंकार, छल, असंयम, लालच व आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने का अवसर देता है। क्षमा क्रोध को शांत करती है, मार्दव और आर्जव व्यक्तित्व को सरल बनाते हैं, सत्य और शौच उसे निर्मल करते हैं, संयम और तप इच्छाओं को सीमा देते हैं तथा त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य आसक्ति से मुक्ति की राह दिखाते हैं। इसका प्रभाव व्यक्ति से परिवार और समाज तक पहुंचता है। इसलिए दशलक्षण की सार्थकता पूजा के बाद नहीं, तब है जब दस दिनों के बाद भी क्षमा स्वभाव में, संयम व्यवहार में, त्याग जीवनशैली में और करुणा दृष्टि में बनी रहे।

माता-पिता वृद्धाश्रम में, बच्चे विदेश में, क्या यही है आधुनिक सफलता की कीमत?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों या आर्थिक समृद्धि से नहीं,बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों,कमजोरों और निर्भर लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है। आज दुनियाँ तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार ले रहे हैं,बच्चे शिक्षा और रोजगार के लिए महानगरों तथा विदेशों में बस रहे हैं और जीवन की भागदौड़ में कहीं माता-पिता की वह भावनात्मक जगह सिकुड़ती जा रही है,जो कभी परिवार की नींव हुआ करती थी ।सबसे पीड़ादायक स्थिति तब सामने आती है,जब जिन माता-पिता ने अपनी संतान की शिक्षा, करियर और भविष्य के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, वही संतान उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर उनसे दूरी बना लेती है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती आवश्यकता माता- पिता को अकेला छोड़ देने की घटनाएं और बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार से जुड़े वायरल वीडियो केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं; वे समाज की बदलती संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं। क्या आधुनिकता की कीमत अपनी जड़ों को भूल जाना है? क्या आर्थिक सफलता का अर्थ उस हाथ को भूल जाना है, जिसने हमें चलना सिखाया था?इसी व्यापक सामाजिक और संवैधानिक चिंता के बीच 7 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में बुजुर्गों के अधिकारों से जुड़ी वर्ष 2016 से लंबित जनहित याचिका पर हुई सुनवाई बेहद महत्वपूर्ण बन गई है ।अदालत ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से वृद्धाश्रमों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं की ताजा स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की दस्तक: क्या देश अपने बुजुर्गों के लिए सचमुच तैयार है? इसको समझने की करें तो,7 सितंबर 2026 की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे, ने लंबे समय से लंबित इस मामले को फिर गंभीरता से उठाया। वर्ष 2016 में पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दायर जनहित याचिका का मूल प्रश्न केवल वृद्धाश्रमों की संख्या तक सीमित नहीं है; यह उस व्यापक अधिकार से जुड़ा है जिसके तहतप्रत्येक बुजुर्ग को सम्मान,सुरक्षा,आश्रय,स्वास्थ्य सुविधा और गरिमापूर्ण जीवन मिलना चाहिए ।अदालत ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एडवोकेट जनरल तथा स्टैंडिंग काउंसिल से संपर्क कर वृद्धाश्रमों की स्थापना और वहां उपलब्ध सुविधाओं की ताजा जानकारी जुटाई जाए ।राज्यों को संबंधित पत्र मिलने के बाद लगभग चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है ।यह निर्देश महज प्रशासनिक औपचारिकता नहीं माना जाना चाहिए। इसके पीछे एक बुनियादी सवाल है,कागजों पर बुजुर्गों के लिए कितनी योजनाएं हैं और जमीन पर वास्तव में उन्हें सटीकता से कितना सहारा मिल रहा है?

साथियों, बात अगर हम अनुच्छेद 21बुजुर्गों के लिए सिर्फ जीवन नहीं,गरिमा का जीवन को समझने की करें तो भारतीय संविधान काअनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा करता है। बुजुर्गों के संदर्भ में यह सवाल और भी व्यापक हो जाता है,क्या केवल सांस लेते रहना ही जीवन है, या जीवन का अर्थ सम्मान,सुरक्षा स्वास्थ्य,आश्रय और गरिमा के साथ जीना भी है?वर्ष 2016 की इस जनहित याचिका में इसी व्यापक दृष्टिकोण से बुजुर्गों के लिए आश्रय, पर्याप्त पेंशन, जेरियाट्रिक चिकित्सा देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग उठाई गई है। साथ ही मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजन्स एक्ट, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया है ।इस कानून की धारा 19 में राज्यों द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक वृद्धाश्रम स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बेसहारा बुजुर्गों के लिए आवास की व्यवस्था हो। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं कि वृद्धाश्रम मौजूद हैं या नहीं। असली प्रश्न यह है कि क्या वे रहने योग्य हैं? क्या वहां पर्याप्त भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा,दवाइयां, चिकित्सकीय देखभाल,मानसिक स्वास्थ्य सहायता और और उचित सटीक मानवीय वातावरण उपलब्ध है? साथियों बात अगर हम वृद्धाश्रम: समाधान या परिवार के विघटन का आईना? इसको समझने की करें तो,वृद्धाश्रम अपने आप में बुराई नहीं हैं।

कुछ बुजुर्गों के लिए वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का महत्वपूर्ण सहारा हो सकते हैं ।अकेले रहने वाले, संतान विहीन अथवा आर्थिक और सामाजिक रूप से असुरक्षित वरिष्ठ नागरिकों के लिए संस्थागत देखभाल आवश्यक भी हो सकती है ।लेकिन चिंता तब पैदा होती है,जब वृद्धाश्रम विकल्प से बढ़कर जिम्मेदारी से बचने का साधन बनने लगें ।जिस माता ने अपने बच्चे की बीमारी में रातें जागकर बिताईं जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चे की फीस भरी, जिस परिवार ने अपनी सीमित आय में भी संतान को बेहतर शिक्षा दिलाने का सपना देखा,यदि वही संतान आर्थिक रूप से सक्षम होने के बाद माता- पिता को भावनात्मक रूप से अकेला छोड़ दे, तो समस्या केवल पारिवारिक नहीं रहती; वह सामाजिक चेतना का प्रश्न बन जाती है ।आज महानगरों और विदेशों में बसना अपने आप में गलत नहीं है। बेहतर अवसरों की तलाश स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब भौगोलिक दूरी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है और व्यस्तता जिम्मेदारी से पलायन का बहाना बन जाती है।

साथियों बात अगर हम जब अंतिम विदाई भी समय मांगने लगे इसको समझने की करें तो,समाज को विचलित करने वाली वे घटनाएं, जिनमें बुजुर्ग माता-पिता को अकेला छोड़ दिया जाता है या उनकी अंतिम अवस्था में संतान अपनी उपस्थिति तक को बोझ समझती है, हमें भीतर तक झकझोरती हैं ।किसी बुजुर्ग पिता का अंतिम संस्कार देखने के लिए भी समय न होना,या किसी बुजुर्ग मां को रात में सड़क पर छोड़कर चले जाने जैसीघटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आना, यदि वास्तव में समाज की बढ़ती प्रवृत्ति का संकेत हैं,तो हमें केवल उन परिवारों को दोष देने से आगे बढ़कर अपने सामाजिक मूल्यों पर भी विचार करना होगा ।जिस समाज में वृद्ध माता-पिता की आंखों में अपने ही बच्चों की प्रतीक्षा दिखाई देती हो और बच्चों के पास उनके लिए समय न हो, वहां विकास के आंकड़े अधूरे हैं।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट ने पूछा,कितने वृद्धाश्रम कितनी पेंशन,कैसी चिकित्सा? इसको समझने की करें तो, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील ने अदालत को बताया कि इस मामले में तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए,देश में कितने वृद्धाश्रम हैं,बुजुर्गों को कितनी पेंशन मिल रही है और उनके लिए चिकित्सा सुविधाओं की वास्तविक स्थिति क्या है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि मामला वर्षों से प्रभावी सुनवाई से दूर रहा है ।उन्होंने बताया कि अगस्त 2023 में केंद्र की ओर से दाखिल हलफनामे में 15 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों की जानकारी दी गई थी, लेकिन पूरी अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने भी 2022 के बाद मामले के सूचीबद्ध न होने पर सवाल उठाया ।यही कारण है कि राज्यों से ताजा रिपोर्ट मांगना महत्वपूर्ण है। इससे पहली बार नहीं, लेकिन एक बार फिर यह जांचने का अवसर मिलेगा कि सरकारी नीतियां और जमीनी वास्तविकता कितनी दूर या कितनी करीब हैं।

साथियों बात कर हम मामला हाईकोर्टों को भेजना या देशव्यापी सिद्धांत तय करना? इसको समझने की करें तो,सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से मामले को संबंधित हाईकोर्टों में भेजने का सुझाव भी आया। लेकिन याचिकाकर्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि बुजुर्गों के अधिकार पूरे देश से संबंधित समान प्रश्न हैं और सुप्रीम कोर्ट को अपने पहले के निदेर्शों के अनुपालन को सुनिश्चित करना चाहिए ।मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट को पहले देशभर के लिए व्यापक संवैधानिक और कानूनी सिद्धांत तय करने चाहिए और उसके बाद उनके स्थानीय क्रियान्वयन की निगरानी हाईकोर्टों के माध्यम से हो सकती है ।यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि बुजुर्गों की गरिमा किसी राज्य की सीमा से बंधी हुई नहीं है ।माता-पिता का सम्मान राजस्थान महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार या किसी अन्य राज्य में अलग संवैधानिक मूल्य नहीं हो सकता।

साथियों बात अगर हम सरकार की जिम्मेदारी से पहले समाज की जिम्मेदारी को समझने की करें तो,कानून सरकार को जिम्मेदारी सौंप सकता है,वृद्धाश्रम बना सकता है,पेंशन दे सकता है और अस्पतालों में जेरियाट्रिक वार्ड विकसित कर सकता है। लेकिन कोई कानून बच्चे के दिल में माता-पिता के लिए प्रेम और कृतज्ञता पैदा नहीं कर सकता ।इसलिए बुजुर्गों की समस्या के दो स्तर हैं,संस्थागत जिम्मेदारी और पारिवारिक संवेदनशीलता ।सरकार को पर्याप्त वृद्धाश्रम, नियमित पेंशन, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, कानूनी संरक्षण और प्रभावी शिकायत तंत्र उपलब्ध कराना होगा। वहीं परिवारों को यह समझना होगा कि बुजुर्गों की जरूरत केवल पैसा नहीं है। उन्हें समय चाहिए, संवाद चाहिए, अपनापन चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे अपने ही परिवार में अनावश्यक नहीं हो गए हैं।

साथियों बात अगर हम बुजुर्ग बोझ नहीं, हमारी सभ्यता की जीवित स्मृति हैं इसको समझने की करें तो,जिस पीढ़ी को हम आज बूढ़ा कहते हैं, वही पीढ़ी कल के भारत की नींव रखकर गई है। उसने सीमित साधनों में परिवार बनाए, बच्चों को शिक्षित किया, घर चलाए और कठिन परिस्थितियों में जीवन खड़ा किया। इसलिए बुजुर्गों की देखभाल कोई दया नहीं,यह सामाजिक कृतज्ञता और नैतिक उत्तरदायित्व है ।आज आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें वृद्धाश्रम अंतिम मजबूरी न हों, बल्कि जरूरतमंदों के लिए सम्मानजनक विकल्प हों; पेंशन इतनी हो कि बुजुर्ग दूसरों पर निर्भर न रहें; अस्पतालों में उनकी उम्र और आवश्यकताओं के अनुरूप चिकित्सा उपलब्ध हो; और कानून का उल्लंघन होने पर उन्हें सटीकता से तत्काल संरक्षण मिले। साथियों हम अंतिम सवाल: हम अपने भविष्य के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? इसको समझने की करें तो सुप्रीम कोर्ट की 7 सितंबर 2026 की सुनवाई ने एक महत्वपूर्ण दरवाजा फिर खोल दिया है। अब राज्यों को अपनी व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर अदालत के सामने रखनी होगी ।लेकिन इस पूरे विमर्श का सबसे बड़ा सवाल अदालत से बाहर है,हम अपने घरों में अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं?क्योंकि आज जिस मां-बाप को हम अकेला छोड़ रहे हैं, कल उसी उम्र की ओर हम स्वयं बढ़ेंगे। आज जिसे हम समय का अभाव कहकर टाल रहे हैं, कल वही समय हमें अपने बच्चों से सटीकता से चाहिए होगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करके इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि समाज की असली प्रगति तब होगी,जबवृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ने पर हमें गर्व नहीं, बल्कि यह संतोष होगा कि कोई बुजुर्ग केवल इसलिए वृद्धाश्रम जाने को मजबूर नहीं हुआ क्योंकि उसके अपने बच्चों ने उसे भुला दिया था ।सुप्रीम कोर्ट सरकारों से रिपोर्ट मांग रहा है;अब समय है कि समाज स्वयं से भी एक रिपोर्ट मांगे,हमने अपने बुजुर्गों के लिए क्या किया?और शायद इस रिपोर्ट का सबसे ईमानदार उत्तर ही तय करेगा कि हम वास्तव में आधुनिक हुए हैं या केवल आधुनिक दिखाई देने लगे हैं।

इंद्रधनुष जैसे रंगीन पंख और ब्रश जैसी जीभवाला पक्षी रेनबो लोरिकीट

यह इंद्रधनुषी पक्षी आस्ट्रेलिया में पाए जाने बाले तोतों की एक प्रजाति का प्रतिनिधि है। उत्तरी क्वींसलैंड से लेकर दक्षिण आस्ट्रेलिया के समुद्री तटों तक में यह सामान्यत: बहुतायत से मिलते हैं। इसके अलावा वैलीसवा, मैलनेशिया और फिलीपींस में भी इन्हें देखा जाता है। इनका वैज्ञानिक नाम ट्राइकोग्लोसस मॉल्केनस हैं। इनका आवास वर्षा वन, समुद्र तटीय झाड़ियां और घने जंगल है।

ये लगभग 35 सेंटीमीटर लंबे होते हैं और इनके शरीर पर उपस्थित चटक रंगों की विविधता के कारण ही इन्हें इंद्रधनुषी लोरिकीट नाम दिया गया है। लगभग 135 ग्राम बजनी यह पक्षी चटक लाल, हरा, नीला, पीला और नारंगी रंगों से सजा होता है। इसकी मुड़ी हुई चोंच और आंखे सुर्ख लाल होती हैं। सिर गहरा नीला और छाती नारंगी पीली जिन पर काले रंग की बारीक धारियां बनी होती हैं। मुख्य पंख हरे और पूंछ हरी पीली होती है।

यह पक्षी अपने भोजन की तलाश में लगभग 40 मील तक उड़ान भरते हैं। इनकी चोंच ब्रश जेसी होती है जो मकरंद पीने के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा यह फल, कीट पतंगे आदि भी खा लेते हैं। पर कड़क बीजों से इनकी जीभ को नुकसान पहुंच सकता है। ये ताड़ के पेड़ों पर बनी कोटरों में, चट्टानों की दरारों पर रहते हैं। यहां तक कि इन्हें पेड़ के तने के नीचे भी गड्ढे खोदकर अपना घोंसला बनाते हुए देखा गया है। मादा एक बार में 1 से 4 अंडे देती है। अंडो का ऊष्मयन काल 25 दिन का होता है। केवल मादा ही देखभाल करती है। नर कोई मदद नहीं करते।

क्या सच में धरती पर बहती हैं एसिड की नदियां
ये है पृथ्वी पर मौजूद नर्क का द्वार

धरती पर कई ऐसी जगह हैं, जहां पहुंचने पर आपको लगेगा कि आप किसी एलियन ग्रह पर आ गए हैं। इथियोपिया में भी एक ऐसी ही जगह है, जहां जाने पर लगेगा कि यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म का सीन है। इस जगह का नाम डानाकिल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से 100 मीटर नीचे है। यहां जाने पर आपको प्रचंड गर्मी, तेजाब और कैमिकल की बदबू मिलेगी। यहां पर कई दरारें हैं, जिनमें से लावा भी निकल रहा होता है।

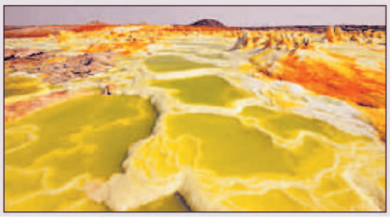

पृथ्वी पर कई अद्भुत, रहस्यमयी और खतरनाक स्थान हैं, लेकिन इथियोपिया (अफ्रीका) में स्थित डानाकिल डिप्रेशन एक ऐसा इलाका है जो इन तीनों श्रेणियों में सबसे ऊपर आता है। यहां का नजारा न केवल डरावना है, बल्कि खतरनाक भी है, इतनी गर्मी, जहरीली गैसें और उबलते एसिड से भरे झरने कि इसे 'धरती का नर्क' तक कहा जाता है। यह क्षेत्र अपने चरम तापमान, लगातार सक्रिय ज्वालामुखी, रंग-बिरंगे लेकिन जानलेवा एसिडिक पूल्स और गैस के बुलबुलों से भरा हुआ है। यह नजारा जितना आकर्षक लगता है, उतना ही विनाशकारी और रहस्यपूर्ण भी है।

कहां है डानाकिल डिप्रेशन और क्यों है ये इतना खतरनाक?

डानाकिल डिप्रेशन अफ्रीका के पूर्वी हिस्से में स्थित इथियोपिया के अफार क्षेत्र में आता है। यह समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे स्थित है, जिससे यह धरती के सबसे नीचले क्षेत्रों में से एक बनता है। इसे दुनिया के 5 सबसे निचले पॉइंट्स में गिना जाता है। यहां सालभर तापमान कभी 45 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं होता, यानी दिन-रात यहां पर भीषण गर्मी रहती है। यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेट्स, अफ्रीकन, अरबियन और सोमालियन प्लेट्स के मिलन स्थल पर स्थित है। यही कारण है कि यहां लगातार भूगर्भीय गतिविधियां होती रहती हैं और जगह-जगह पर लावा, सल्फर गैस और एसिडिक पूल्स बनते रहते हैं। यही वो कारण हैं जिनकी वजह से इसे 'पृथ्वी का एलियन हिस्सा' कहा जाता है।

एसिड की नदियां, विज्ञान की चौंकाने वाली हकीकत

डानाकिल डिप्रेशन की सबसे अनोखी और डरावनी बात है यहां बहती एसिड की नदियां और रंग-बिरंगे खनिज तालाब। यहां मौजूद पानी में इतनी तेज अम्लता होती है कि अगर कोई व्यक्ति उसमें हाथ भी डाले, तो झुलस सकता है। यहां के पानी का श्व॥ स्तर इतना कम है कि ये बैटरी एसिड जितना खतरनाक होता है। और यही नहीं, इन जल स्रोतों से सल्फर डाईऑक्साइड, क्लोरीन और अन्य जहरीली गैसें भी लगातार निकलती रहती हैं, जो न केवल इंसानों बल्कि मशीनों को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

धरती का पाताललोक क्यों कहा जाता है

इस क्षेत्र की तुलना बार-बार नरक या पाताललोक से इसलिए की जाती है क्योंकि यहां की जलवायु, तापमान, और विषाक्तता इंसानों के जीवित रहने के लिए लगभग असंभव बनाते हैं। यहां पानी पीने योग्य नहीं है, हवा में सांस लेना मुश्किल हो सकता है और रहने लायक वातावरण बिल्कुल भी नहीं है।

नमक के पहाड़ भी हैं

इस विशाल रेगिस्तान में नमक के पहाड़ भी मिल जाएंगे। नमक निकालने वाले इस जगह को सफेद सोने की खान भी कहते हैं। यह अफार त्रिभुज का एक हिस्सा बनाते है, जहां तीन टेक्टॉनिक प्लेट्स आपस में मिलती हैं, जो धीरे-धीरे एक दूसरे से अलग हो रही हैं।

झरने के आसपास दिखे हैं मृत जानवर

यह जगह देखने में तो सुंदर है, लेकिन भयानक है। इसके झरनों को कभी-कभी हत्यारा झील भी करार दिया जाता है। मृत जानवर और कीड़े अक्सर सल्फर उगलने वाले झरनों के किनारे देखे जाते हैं। इनकी मौत का कारण या तो जहरीला पानी या लंबे समय तक कार्बन डाइ ऑक्साइड युक्त हवा में सांस लेना है।

नर्क का दरवाजा

इसे नर्क का दरवाजा भी कहा जाता है। इन इलाकों में बेहद कम बारिश होती है। बारिश या अवशोषित समुद्र का पानी जब यहां पहुंच जाता है तो वह मैग्मा के कारण गर्म हो जाता है। नमक और मैग्मा के मिनरल का आपस में रिएक्शन होता है, जिसके कारण यह पीले और हरे रंग बनाते हैं। धरती की सबसे गर्म जगहों में से एक और भीषण दुर्गंध के बावजूद लोग इस चमत्कार को देखने के लिए यहां आते हैं।

वैज्ञानिक करते हैं शोध

बेहद निडर लोग एक दिन की यात्रा करके यहां पहुंचते हैं। जबकि कई लोग हेलीकॉप्टर के जरिए आसमान से इस नजारे को देखते हैं। यहां मुख्य आकर्षणों में एर्टा एले ज्वालामुखी शामिल है, जो पृथ्वी पर सक्रिय छह लावा झीलों में से एक है। वैज्ञानिक यहां दूसरे ग्रहों पर होने वाले मौसम पर शोध भी करते हैं।

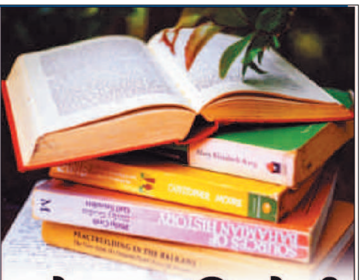

गोल या तिकोनी नहीं, हमेशा चौकोर ही क्यों होती हैं किताबें

किताबें हमारे जीवन में ज्ञान और सूचना का आधार हैं। कई लोगों को किताबों का बहुर शौक होता है। दुनिया की बड़ी बड़ी लाइब्रेरियां तमाम किताबों से भरी हैं। किताबें सफ़र से लेकर अलेकेपन की बेहतरीन साथी हैं, लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि वे हमेशा चौकोर या आयताकार होती हैं?

क्या गोल या तिकोनी किताबें हो सकती हैं

तकनीकी रूप से, किताबें किसी भी आकार की हो सकती हैं। हालाँकि, गोल या तिकोनी किताबें बनाना संभव है, लेकिन वे व्यावहारिक नहीं होतीं।

पेज का सीमित उपयोग

गोल या तिकोनी आकार में पेज का पूरा उपयोग नहीं हो पाता, जिससे कागज की बर्बादी होती है।

स्टोरेज और स्टैकिंग में समस्या

गोल या तिकोनी किताबों को स्टोर करना और एक-दूसरे के ऊपर रखना मुश्किल हो जाता है।

चौकोर किताबों का चयन क्यों होता है

प्रैक्टिकल डिज़ाइन का फायदा

चौकोर या आयताकार आकार किताबों को बनाने में आसान और किफायती बनाता है। यह डिज़ाइन छपाई, बाइंडिंग और ट्रिमिंग में भी सहूलियत देता है।

पढ़ने में सुविधा

चौकोर पन्ने पर पाठक के लिए टेक्स्ट पढ़ना आसान होता है। पेज का हर कोना उपयोग में आता है, जिससे रीडिंग का अनुभव बेहतर होता है।

स्टोरेज और पोर्टेबिलिटी

चौकोर किताबें आसानी से अलमारियों में फिट हो जाती हैं। इन्हें कैरी करना और एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है।

वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण

आँखों की मूवमेंट: हमारी आँखें एक रेखीय पैटर्न में चलती हैं, इसलिए चौकोर पेज पर पढ़ना स्वाभाविक होता है।
मानव आदत: इंसान आयताकार या चौकोर चीजों का उपयोग करने का आदी है, जैसे मोबाइल स्क्रीन, टीवी, और लैपटॉप।

डिजाइन और क्रिएटिविटी के अपवाद

हालांकि अधिकतर किताबें चौकोर होती हैं, कुछ क्रिएटिव किताबें खास आकार में भी बनाई जाती हैं। बच्चों की किताबों और कॉफी टेबल बुक्स में अनोखे आकार देखने को मिल सकते हैं। किताबों का चौकोर होना सिर्फ एक डिजाइन चॉइस नहीं, बल्कि इसके पीछे व्यावहारिक, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण हैं। यह आकार न केवल पब्लिशिंग और रीडिंग में सहूलियत देता है, बल्कि किताबों को स्टोर और कैरी करना भी आसान बनाता है।

दुनिया की ऐसी कुछ जेल जहां सजा भी है कैदियों के लिए मजा
परिवार के साथ रहना, एसी, टीवी जैसी सुविधाएं उपलब्ध

भारत में तो नहीं लेकिन दुनिया के कुछ ऐसे देश जरूर है जहां पर इस तरीके की बंदी ग्रह देखने को मिलते हैं जहां की सुविधा देखने के बाद किसी भी कैदी का घर जाने का मन तो बिल्कुल भी नहीं करेगा लेकिन यह सुविधा क्यों दी जाती है इसके बारे में जानते हैं। नॉर्वे ऑस्ट्रेलिया स्वीटजरलैंड आदि यह कुछ ऐसे देश है जहां पर खास तरीके की जो जेल बनाई गई है जहां पर कैदियों को रखने का मकसद उन्हें सजा देने के साथ-साथ एक बार फिर अच्छा जीवन जीने की सीख को लेकर इन जगहों का निर्माण किया गया। यहां पर कैदियों को लगभग वह हर्ष सुविधा दी जाती है जो एक लग्जरी होटल में होती है चाहे वह टीवी फ्रिज हो या फिर खेलने की जगह यहां सब मिलता है।

स्पेन की वह जेल जहां पर कैदी रहते हैं परिवार के साथ

स्पेन के अरनजुएल जेल में कैदियों को अपने परिवार के साथ रहने की मोहलत दी जाती है यहां उनके लिए स्कूल खेलने का मैदान तक उपलब्ध कराया जाता है यह जेल कांच से बनी है जहां पर एक टीवी फ्रिज और बास्केटबॉल प्लेग्राउंड उपलब्ध कराया जाता है।

एक ऐसी जेल जहां कैदी करते हैं फार्मिंग

जी हां, न्यूजीलैंड मैं ओटेगा जेल, यहाँ कैदीयो को को कुकिंग फार्मिंग की ट्रेनिंग दी जाती है, इसके साथ-साथ इन्हें कड़ी सुरक्षा में भी रखा जाता है। अगर बात की जाए इन्हें यहां पर क्या सिखाया जाता है, तो इन्हें विभिन्न तरह की चीज बनाना और कई तरीके की फसल उगाना सिखाया जाता है, जिससे कि वह अपनी सजा काटने के बाद अपना जीवन अच्छी तरीके से जी सके बिना किसी गलत तरीके से पैसा कमए।

स्विट्जरलैंड की चैंप डॉलन

यह एक ऐसी जगह है जिसे 2011 में 40 मिलियन डॉलर खर्च करके आधुनिक तरीके का बनाया गया था इसके बाद अब यह किसी अच्छी खासी होटल से काम नहीं है यहां पर प्राइवेट बाथरूम बड़े-बड़े आरामदायक कमरे मनोरंजन के लिए टीवी जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

आईआईटी में थिएटर ने बदली जिंदगी, इंजीनियरिंग छोड़ एक्टिंग को बनाया करियर

जितेंद्र कुमार ने अपने उस सफर को याद किया, जिसने उन्हें एक एक्टर बना दिया। 'पहला पहला' शो में गोपाल दत्त से बात करते हुए, 'पंचायत' के एक्टर ने स्कूल के दिनों में अपनी पहली परफॉर्मेंस को याद किया, जब उन्होंने ताड़का का रोल निभाया था। उन्होंने कहा कि उस समय, उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने के बारे में सोचा भी नहीं था। जितेंद्र ने याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा पहला एक्टिंग अनुभव तब हुआ था जब मैंने स्कूल में रामायण के नाटक में ताड़का का रोल किया था। उस समय, ऐसा कोई विचार नहीं था कि यह कुछ ऐसा बन सकता है जिसे मैं प्रोफेशनली करूंगा। यह बस एक स्कूल परफॉर्मेंस थी।' हालांकि, स्कूल खत्म होने के बाद, जितेंद्र ने बताया कि उनका ध्यान पूरी तरह से पढ़ाई पर चला गया। वह आईआईटी एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए कोटा चले गए और आखिरकार आईआईटी खड़गपुर में सीट हासिल कर ली। हालांकि, कैंपस की इस नई जिंदगी में अपनी चुनौतियां भी थीं। जितेंद्र ने माना कि उन्हें इस बात का बहुत एहसास रहता था कि उनके आस-पास के सभी लोग अच्छी इंग्लिश बोलते थे। जब मैं आईआईटी खड़गपुर गया, तो इंग्लिश मेरे लिए एक मुश्किल चीज थी। मुझे इसका एहसास रहता था क्योंकि अचानक आप ऐसे माहौल में होते हैं जहां हर कोई इंग्लिश बोल रहा होता है, और आपको लगता है कि आप पीछे रह गए हैं। फिर उन्होंने थिएटर के बारे में जाना और कई कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। यह पहली बार था जब उन्होंने एक्टिंग को एक संभावित करियर के तौर पर सोचा। वह कहते हैं, 'आईआईटी में, मैंने थिएटर के बारे में लगभग अचानक ही जाना। मैंने कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेना शुरू किया, और हर बार जब मैंने परफॉर्म किया, तो मुझे लगा कि इसमें कुछ ऐसा है जो मुझे सच में पसंद आया। शायद यह पहली बार था जब मैंने सोचना शुरू किया कि शायद एक्टिंग मेरे लिए कुछ हो सकती है।' वर्कफ्रंट की बात करें तो जितेंद्र हाल ही में पॉपुलर फ्रेंचाइजी 'मिर्जापुर' के फिल्म अडैप्टेशन में बबलू पंडित का रोल निभाते हुए दिखे थे। ध्यान देने वाली बात यह है कि जितेंद्र इस मशहूर वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे।

चुंबक ने मुझे बहनों जैसा रिश्ता दिया, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी

'चुंबक' जहां पर्दे पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनों जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है। अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, ''चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मैम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूं कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेंगी।' संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बाते, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

लवप्रीत गिल की अपील

शहनाज से मत करो तुलना

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नए सीजन में पंजाबी अभिनेत्री लवप्रीत गिल और भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी आई हैं। शो में एंट्री के साथ ही दोनों अभिनेत्रियों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लवप्रीत गिल की तुलना 'बिग बॉस 13' की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में शामिल रहीं शहनाज गिल से की जा रही है। आईएएनएस ने जब लवप्रीत गिल से पूछा कि एक पंजाबी अभिनेत्री के तौर पर 'बिग बॉस' में उनकी तुलना शहनाज गिल से की जा रही है, तो उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी। लवप्रीत ने कहा, ''शहनाज गिल मेरी सीनियर कलाकार हैं और मैं उनका सम्मान करती हूं, लेकिन मेरी अपनी अलग पहचान है। मेरी लोगों से अपील है कि मेरी शहनाज से तुलना न करें, बल्कि एक अलग कलाकार के रूप में मुझे जानें और प्यार दें।'' शहनाज गिल 'बिग बॉस' के इतिहास की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली पंजाबी कंटेस्टेंट्स में से एक रही हैं। 'बिग बॉस 13' में शहनाज ने 'पंजाब की कटरीना' के रूप में एंट्री ली थी और देखते ही देखते अपने चुलबुले अंदाज से दर्शकों की फेवरेट बन गई थीं। शो में दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी बॉन्डिंग भी काफी चर्चा में रही। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने 'सिडनाज' नाम दिया और सोशल मीडिया पर इस हैशटैग की जबरदस्त लोकप्रियता देखने को मिली। 'बिग बॉस 13' में शहनाज गिल सेकेंड रनर-अप रही थीं, जबकि सिद्धार्थ शुक्ला ने शो की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

हुंकार : 'बापजी' के शोषण के खिलाफ अनीत पड्डा ने उठाई आवाज

फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार-द रोर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका आज ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पड्डा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं।

किसने किया अनीत का शोषण? क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती है। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती है, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल

मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

......अब नेगेटिव किरदारों से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं

पिछले कुछ सालों में ताना जी के उदयभान, आदिपुरुष के लंकेश, देवरा 1 के भैरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले ऐक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह खासे उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वो देख नहीं पाते हैं।

मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं

सैफ अली खान ने कहा, ' मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। तब मैं बतौर ऐक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।'

मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे

उन्होंने आगे कहा था, 'हांलाकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुराई फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइट भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कंविक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।'

पहली बार अक्षय के आगे हीरो के रोल में हूं

फिल्म 'हैवान' में ओजी अनाड़ी-खिलाड़ी यानी सैफ और अक्षय कुमार की जोड़ी 2008 में आई टशन के 18 साल बाद दोबारा साथ में नजर आ रही है। इस जुगलबंदी पर सैफ कहते हैं, 'नोस्टैल्जिया बहुत अच्छी बात है। हम दोनों तीस साल से काम कर रहे हैं तो ऑडियंस के दिमाग में ये पुरानी बात कहीं न कहीं है। वैसे, इस फिल्म में हमारा इक्वेजन बिल्कुल अलग है। इसमें मेरा रोल थोड़ा ज्यादा टफ, सीरियस और हीराइक है, जो अक्षय के साथ वाली फिल्मों में पहली बार होगा। पहली बार उनके सामने मुझे इतनी जिम्मेदारी दी गई है।'

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर की एंट्री, ड्रेगन में जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट संग जमेगी जोड़ी

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की एक्शन थ्रिलर 'ड्रेगन ' में आलिया भट्ट और शाहिद कपूर की एंट्री को लेकर खबरें तेज होती दिख रही हैं। ऐसे में फैंस ये जोड़ी फिर से बड़े परदे पर देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। खबरें हैं कि इस फिल्म में शाहिद नेगेटिव रोल में दिख सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने दोनों की कास्टिंग को अभी ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है।

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर और आलिया भट्ट की एंट्री, ड्रेगन की कास्ट में होंगे शामिल

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'केजीएफ' व 'सालार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मच-अवेटेड फिल्म 'ड्रेगन ' पहले ही अपने बड़े स्केल और दमदार स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री के बाद अब खबर है कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर भी इस एक्शन थ्रिलर का हिस्सा बन सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा सकते हैं, जबकि आलिया के रोल को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इन दोनों नामों को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियली स्टेटमेंट नहीं आई है। फिल्म की कहानी 1967 के दौर कि है और इसका बैकड्रॉप 'गोल्डन ट्रायंगल' और इंटरनेशनल अफीम ट्रेड से जुड़ा बताया जा रहा है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब खबरें ये भी हैं कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर इस फिल्म से जुड़ने वाले हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी इसपर ऑफिशियली कुछ नहीं कही है।

'ड्रेगन ' में दिख सकती है 'शानदार' जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट और शाहिद कपूर 'ड्रेगन ' में लीड रोल निभाने के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। दोनों कलाकारों की ये जोड़ी इससे पहले फिल्म 'शानदार' में साथ नजर आ चुकी है। हालांकि, इस खबर पर अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

जूनियर हृअक्रके साथ आलिया की फिर बनेगी जोड़ी? आलिया भट्ट का तेलुगु सिनेमा से कनेक्शन नया नहीं है। उन्होंने एसएस राजामौली की 'आरआरआर' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था, जिसमें जूनियर एनटीआर भी लीड रोल में थे। ऐसे में अगर 'ड्रेगन ' में उनकी एंट्री कन्फर्म होती है, तो यह जूनियर एनटीआर के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी। इसके अलावा आलिया के नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 एडी: पार्ट 2' में भी शामिल होने की चर्चाएं हैं, हालांकि इसकी भी अभी कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं हुई है।

शाहिद कपूर बनेंगे विलेन

वहीं शाहिद कपूर को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके किरदार की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'कबीर सिंह' स्टार फिल्म में नेगेटिव रोल निभा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल में 'तेलुगु चित्रालु' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद इस प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स के संपर्क में हैं। अगर उनकी एंट्री पक्की होती है, तो ये तेलुगु सिनेमा में शाहिद कपूर की ऑफिशियल एंट्री होगी।

अनिल कपूर समेत ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अगर आलिया भट्ट और शाहिद कपूर की एंट्री वाली खबरें सच साबित होती हैं, तो 'ड्रेगन ' की स्टारकास्ट साउथ और बॉलीवुड के बड़े नामों का एक बड़ा कॉम्बिनेशन बन जाएगी।

11 जून 2027 को रिलीज होगी 'ड्रेगन '

प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही 'ड्रेगन ' एक बड़े स्केल की एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। फिल्म की कहानी, जूनियर एनटीआर का किरदार और प्रशांत नील का एक्शन स्टाइल इसे लेकर पहले से ही काफी बज बना रहे हैं। फिल्म 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पखवाड़े भर में दूसरी हत्या , जांच पर सवाल , चुस्त चोर और दहशत में जनता

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

"राज" फिल्म में एक गाना था ।ये शहर है अमन का यहां की फिजा है निराली , यहाँ पे सब शांति शांति है ।ये गाना तात्कालीन समय मे संस्कारधानी में फिट बैठती थी लेकिन मौजूदा समय मे मामला इसके उलट है ।शहर के चिखली क्षेत्र पंद्रह दिनों के भीतर दूसरी बार हत्या की वारदात हो गई ।पहली हत्या के कुछ आरोपी अब तक फरार ही हैं और अब अर्जुन वाधवानी के हत्या के मामले में अर्जुन के परिवार ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बप्पा का आगमन और दही हांडी का क्रेज

परिवार वालों का सीधा आरोप है कि वारदात में 3 से चार लोग शामिल थे जबकि पुलिस ने एक ही आरोपी को पकड़कर मामला शांत कर दिया है ।इस मामले में एक और बड़ी बात यह है कि छोटे छोटे मामलों में पत्रकार वार्ता लेकर अपनी पीठ थपथपाने वाली पुलिस ने हत्याकांड के इस बड़े मामले में पत्रकार वार्ता जरूरी ही नहीं समझा ।कुछ लोगों ने अपने हिसाब से भी हिसाब किताब समझा तो आरोपी ज्यादा ही समझ आये लेकिन भाई पुलिस ने कहा तो मानना पड़ेगा।

राजनांदगांव में चोरी की वारदात अनवरत जारी है ।हद तो तब जो गई जब मात्र चौबीस घंटे के भीतर ही आधा दर्जन से ज्यादा चोरियां हुई । पुलिस कप्तान लगातार कानून व्यवस्था में बदलाव लाना चाहती हैं और मेहनत भी कर रही हैं लेकिन शायद जिले के कुछ थानेदार और मैडम के मातहत ही कुछ लोग नही चाहते कि कानून व्यवस्था लागू हो।खैर चोरी तो हुई , करोड़ के आसपास हुई और मजे की बात है कि पुलिस के हाथ अब तक हत्या के फरार आरोपियों की तरह खाली हैं ।

अनवरत जारी दही हांडी की परंपरा

संस्कारधानी के युवाओं और भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों ने इस बार जन्माष्टमी के बाद होने वाली दही हांडी को थोड़ा ज्यादा ही सीरियस ले लिया है । गणपति जी का आगमन हो चुका है लेकिन दही हांडी अब तक जारी है । सूचक भाई हालांकि इस दफे आमने सामने नाहन मिले लेकिन मोबाइल पर उनसे जो बात हुई वो वाकई सोचनीय है।

सूचक भाई ने फोन कर कहा कि महोदय जगह जगह दही हांडी के नाम पर सड़क को ब्लॉक कर दिया जा रहा ।हमने कहा भाई त्यौहार है इतना तो होगा ।सूचक भाई ने कहा कि अरे लेकिन त्यौहार के बाद सड़क पर पड़े रेत और कचरे को तो हटवाना चाहिए।हमने कहा भाई धर्म का मामला है ।किनारे से आंख बंद करके चल लो लेकिन इस मामले में बहस ना करो।

सूचक भाई ने दही हांडी के एक और मामले का खुलासा किया ।बात बात में उन्होंने बताया कि शहर के मध्य में हुए दही हांडी में सदस्यों ने चंदा तो जमकर बटोरा लेकिन कार्यक्रम में बेईमानी करते हुए अपने ही टोली को कुछ पैसे दे कर बाकी पैसे हजम कर दिये।इस बार हम नाराज हुए ।हमने कहा सूचक भाई बेवजह बातें ना किया कीजिये । सूचक भाई ने चिढ़कर उन बच्चों की टोली का नाम पता सब बता दिया और व्हाट्सएप्प एक वीडियो भेज कर कहा कि ऐसे होती है क्या दही हांडी।

हम खामोश हुए और बस ये सोचा कि काश महापौर जी भी पुरुस्कार देने से पहले कन्फर्म कर लेते।खैर ....।

बप्पा का आगमन ,ट्रैफिक और खस्ताहाल सड़क

पूरे देश मे गणपति जी के उत्सव की धूम है । संस्कारधानी में भी बप्पा का आगमन हो चुका है। सूचक भाई को इस बार गणपति जी के ग्रेंड वेलकम वाला ट्रेंड पसंद आया ।सूचक भाई ने फोन कर बप्पा के आगमन की बधाई दी ।हमने कहा बप्पा सब मनोकामना पूरी करते हैं जो मांगना है मांग लो।

सूचक भाई ने कहा कि कल ही हर पंडाल में जा कर नेता अधिकारी और प्रशासन को सद्बुद्धि देने की याचना करता हूँ बप्पा से ।साथ ही सड़कों और ट्रैफिक व्यवस्था की बात भी करूँगा ताकि ठीक त्यौहार में किसी युवक की हादसे में जान ना जाये जैसा कि पिछले दिनों रेवाडीह चौक में हुआ। मैंने कौतूहल से कहा कि सूचक भाई ट्रैफिक, सड़क ये सब मामले लेकर प्रशासन के पास जाओ ।सूचक भाई ने कहा कि उनके बस का होता तो कब का कर चुके होते। अब बस बप्पा का ही सहारा है।

खास खबर

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ की बैठक : कल सहकारी समितियों में जलेंगे आशीर्वाद के दीये

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को सहकारी समितियों में आशीर्वाद के दीया कार्यक्रम मनाया जाएगा। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी व जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह और दुर्ग संभाग प्रभारी जय नारायण सिंह बस्तरिया की मौजूदगी में खैरागढ़ में बैठक आयोजित कर रूपरेखा तय की गई। प्रत्येक सहकारी समिति में 101 दीये जलाकर सेवा और समर्पण का संदेश दिया जाएगा।

बस्तरिया ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार सहकारी समितियों को सशक्त बना रही है। छत्तीसगढ़ में सहकारिता के माध्यम से 83 योजनाएं चल रही हैं। जैविक खाद, जड़ी-बूटी प्रसंस्करण, तेंदूपत्ता से बीड़ी और गन्ना से गुड़ जैसे कार्यो से समितियों को आय-वर्धक बनाया जा सकता है। बैठक में जिला संयोजक धरमू पटेल, पंकज सिंह राजपूत, रामकुमार जोशी, चेतन वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजनांदगांव पुलिस को बड़ी सफलता : चोरी के 2 मामलों में 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के अभियान में राजनांदगांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के दो अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 60 हजार नगद और चोरी का सामान बरामद हुआ है।एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

पहला मामला - कोतवाली: मकान में 2.10 लाख की चोरी : प्रार्थी रविशंकर देवांगन के घर में 5 से 9 सितंबर के बीच 2.10 लाख की चोरी हुई थी। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर आरोपी गफ्फार शरीफ (55) निवासी रामनगर पावर हाउस को पकड़ा गया। उसके पास से 2 जर्मन कड़ाही, पीतल की बाल्टी, तांबे का गिलास और 60 हजार नगद बरामद हुआ। **दूसरा मामला - तुमड़ीबोड़: दुकान और पान ठेले में चोरी :** 12 सितंबर की रात देवांगन वॉच सेंटर से 10,500 रुपये की घड़ियां और बैग चोरी हुए। जांच में 3 आरोपी - योगेश साहू (20), जलालुद्दीन कुरैशी (32) और प्रेम सिंह (26) सभी निवासी बघेरा दुर्ग को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में इन्होंने पान ठेले से 15 हजार की सिगरेट-पान मसाला चोरी भी कबूली। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

तृतीय नेशनल लोक अदालत में 307495 से अधिक मामले का निपटारा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के तत्वाधान, मुख्य संरक्षक एवं मुख्य न्याधिपति छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देश तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव विजय कुमार होता के निर्देशन में 12 सितम्बर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत में जिला एवं सत्र न्यायाधीश, परिवार न्यायालय के न्यायाधीश, राजनांदगांव जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीश, अधिवक्ता संघ, राजनांदगांव के अध्यक्ष, लीड बैंक राजनांदगांव, बैंक अधिकारी, नगरपालिका अधिकारी, बीएसएनएल अधिकारी, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी एवं पैरालीगल वालेन्टियर्स उपस्थित हुए। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर तहसील स्तर तक के न्यायालयों में लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें राजनांदगांव, जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले में न्यायालय में लंबित, राजस्व न्यायालय एवं प्री-लिटिगेशन के 304034 प्रकरणों को निराकरण के लिए चिन्हित किया गया है।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव विजय कुमार होता के नेतृत्व में लोक अदालत के आयोजन की सभी तैयारी पूर्ण कर ली गयी थी।नेशनल लोक अदालत आयोजित करने के लिए कुल 48 खंडपीठों का गठन किया गया। नेशनल लोक अदालत में 307495 मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। निराकृत किए गए मामलों में कुल 304034 मामले प्री-लिटिगेशन चरण के थे और 3461 मामले ऐसे थे जो विभिन्न न्यायालयों में लंबित थे, निपटान राशि लगभग 33,930,278,740 रूपए रहा।नेशनल लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित मामले, धारा-138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले अर्थात चेक से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद के मामले, श्रम विवाद के मामले, बैंक ऋण वसूली वाद, रूपए वसूली वाद, नगर निगम से संबंधित कर वसूली मामले, विद्युत बिल एवं टेलीफोन बिल के मामले, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, राजस्व न्यायालय के मामले एवं अन्य राजीनामा योग्य वाद सहित अन्य मामलों की सुनवाई की गई।

राजीनामा होने से साथ-साथ रहने हुए राजी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा जिला राजनांदगांव में आयोजित की गई।नेशनल लोक अदालत के आयोजन अवसर पर न्यायालय - न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय राजनांदगांव उत्तरा कुमार कश्यप के न्यायालय में लंबित विविध दांडिक प्रकरण क्रमांक-114/2026, पक्षकार श्रीमती सेवती बाई व अन्य विरूद्ध बेनलाल वर्मा, आवेदिका एवं अनावेदक का विवाह 11 सितम्बर 2011 को संपन्न हुआ था। उनके दाम्पत्य जीवन से पुत्र तेजकुमार वर्मा जन्म 1 जून 2015 को हुआ है। विवाह के कुछ दिन बाद अनावेदक, आवेदिका क्रमांक-1 से शराब पीकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से दहेज देने के लिए प्रताड़ित करके अमानवीय रूप से मारपीट करने लगा और 12 मई 2026 को आवेदकगण को मारपीट कर घर से निकाल दिया। जिसके कारण पृथक रहने के पश्चात आवेदिका ने स्वयं के लिए भरण-पोषण राशि दिलाए जाने बाबत प्रकरण पेश की।उभयपक्ष के मध्य राजीनामा की कार्यवाही की गई, जो सफल रही। उभयपक्ष के मध्य आपसी राजीनामा हो चुका है। प्रकरण नेशनल लोक अदालत में समाप्त किया गया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा जिला राजनांदगांव में आयोजित की गई।नेशनल लोक अदालत के आयोजन अवसर पर न्यायालय माननीय-न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय राजनांदगांव उत्तरा कुमार कश्यप के न्यायालय में लंबित व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक-130ए/2025, पक्षकार बैनू कुमार देवांगन विरूद्ध श्रीमती दिव्या उर्फ गायत्री, आवेदिका एवं अनावेदक का विवाह 20 अप्रैल 2021 को संपन्न हुआ। उनके दाम्पत्य जीवन से पुत्र भावेश देवांगन का जन्म हुआ है।प्रतिवादी हमेशा वादी और उसके परिवार वालों को छोटी-छोटी बातों पर वाद-विवाद कर मायके जाने की धमकी देती थी और अधिकतर समय मायके में निवास करती थी।2 जून 2026 को प्रतिवादी अवयस्क पुत्र भावेश को लेकर बिना कारण बताए मायके चली गई और वादी के साथ उसके घर आने से इंकार कर दी। प्रतिवादी बिना किसी उचित एवं पर्याप्त कारण के उसे दाम्पत्य सुखों से वंचित कर रखी है।वादी, प्रतिवादी के साथ दाम्पत्य जीवन निवर्हन करना चाहता है। उभयपक्ष के मध्य राजीनामा की कार्यवाही की गई, जो सफल रही। राजीनामा होने से साथ-साथ निवास कर रहे हैं। उभयपक्ष के मध्य आपसी राजीनामा हो चुका है, अतः प्रकरण नेशनल लोक अदालत में समाप्त किया गया।

नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर लड़ाई-झगड़ा हुआ पटाक्षेप

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा तालुक विधिक सेवा समिति छुईखदान में आयोजित की गई नेशनल लोक अदालत के आयोजन अवसर पर न्यायाधीश छुईखदान श्वेता पटेल के न्यायालय में सीआईएस क्रमांक-279/2020, पक्षकार छत्तीसगढ़ शासन विरूद्ध मनोज साहू, उक्त प्रकरण में प्रार्थी के नाबालिग लड़के शशिकांत साहू का साईकल से गिरने को लेकर आरोपी मनोज साहू के साथ विवाद हो गया था। उभयपक्ष को समझाईश दी गई, जिस पर वे राजीनामा के लिए सहमत हुए। न्यायालय कक्ष में उभयपक्ष ने एक-दूसरे से गले लगाया, राजीखुशी अपने-अपने घर चल गए।

नेशनल लोक अदालत में स्थायी निषेधाज्ञा का प्रकरण समाप्त

मामला खंडपीठ क्रमांक 02 पीठासीन अधिकारी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव विजय कुमार होता के न्यायालय का है। प्रकरण में वादीगण ने प्रतिवादीगण के विरूद्ध संविदा के विनिर्दिष्ट परिपालन, आधिपत्य एवं स्थायी निषेधाज्ञा जारी किए जाने का वाद प्रस्तुत किया था।12 सितम्बर 2026 को लोक अदालत में उभयपक्षों की ओर आदेश-23 नियम 3 व्य.प्र.सं. का समझौता आवेदन पत्र प्रस्तुत कर डिकी दिए जाने का अनुरोध किया था। प्रकरण में राजीनामा हो जाने के आधार पर मामले का शमन हो गया और वादीगण और प्रतिवादी क्रमांक-1, भूमि बेचने के लिए किए गए सौदा के समय एग्रीमेंट की राशि 10 लाख रूपए को उसमें ब्याज जोड़ते हुए 10,60,000 रूपए अदा करने की शर्त पर राजीनामा हो गया है। राजीनामा होने से प्रकरण नेशनल लोक अदालत में समाप्त किया गया।

शहर में सड़क, नाली एवं जल निकासी व्यवस्था को लेकर निगम का निरंतर प्रयास

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा शहर में सड़क, नाली, जल निकासी एवं साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। बारिश के कारण प्रभावित हुए कार्यो को मौसम अनुकूल होते ही गति देने की तैयारी की जा रही है। रानीसागर से दिग्विजय कॉलेज मार्ग लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आता है।सड़क की मरम्मत के लिए निगम द्वारा संबंधित विभाग को आवश्यक स्थलों की सूची भेजी गई है।

वहीं निगम क्षेत्र की अन्य खराब सड़कों पर आवश्यकता के अनुसार पेचवर्क कराया जा रहा है। लगातार बारिश के कारण कुछ स्थानों पर पेचवर्क कार्य प्रभावित हुआ है। डामरीकृत सड़कों की खराब स्थिति को लेकर संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी किए गए हैं। बारिश समाप्त होने के बाद आवश्यकतानुसार सड़कों की मरम्मत एवं शेष सड़कों का डामरीकरण कराया जाएगा। अत्यधिक बारिश के कारण शीतला मंदिर के सामने जलजमाव की स्थिति निर्मित होने पर निगम द्वारा पानी की निकासी कराकर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। जिला अस्पताल कॉलोनी की सड़क की जल निकासी व्यवस्था एवं सड़क मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को अवगत कराया गया है।निगम द्वारा यहां पानी निकासी एवं साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। क्षतिग्रस्त नाली के मरम्मत के लिए एनएचआई को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु कहा गया है तथा निगम द्वारा नियमित साफ-सफाई कर व्यवस्था को सुचारू रखा जा रहा है।

शहर की विभिन्न सड़कों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है।शंकरपुर रोड की मरम्मत प्रस्तावित है, जबकि महावीर चौक मोड़ के गड्ढे को भरकर सड़क को समतल किया जा रहा है।डामर की उपलब्धता एवं बारिश के कारण प्रभावित डामरीकरण कार्य मौसम खुलने के बाद कराया जाएगा। निगम द्वारा गणेश पर्व के पूर्व अधिक से अधिक आवश्यक सड़कों की मरम्मत पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है।बुढ़ासागर किनारे दीवार पर विज्ञापन चस्पा करने वालों को निगम द्वारा समझाइश देते हुए नोटिस जारी किया गया है।निर्धारित समय में विज्ञापन नहीं हटाने पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।चिखली रोड के किनारे रिक्त भूमि में अस्थाई रूप से एकत्रित कचरे को प्रतिदिन उठाकर सफाई कराई जा रही है। आवास योजनाओं के तहत स्वयं का पक्का आवास बनाने के लिए हितग्राहियों को प्रदान की गई किस्त की राशि का उपयोग अन्य कार्यों में किए जाने के मामलों में निगम द्वारा स्थल निरीक्षण कर समझाइश दी जा रही है। हितग्राहियों से किस्त की राशि का उपयोग आवास निर्माण में करने कहा जा रहा है। आवास निर्माण नहीं करने की स्थिति में निगम द्वारा बताए गए बैंक खाते में राशि जमा करने के लिए समझाइश दी जा रही है।निमार्णाधीन आवासों के हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा में निर्माण पूर्ण कर पक्के घर का सपना साकार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा बारिश की परिस्थितियों के बीच नागरिक सुविधाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सड़क मरम्मत, जल निकासी, नाली सफाई, कचरा उठाव एवं आवास योजनाओं की सतत निगरानी की जा रही है।

निधन — उद्धव सिंह

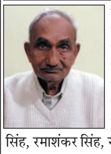

दुर्ग। मुकुट नगर निवासी, क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के आजीवन सदस्य एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के सेवानिवृत्त कर्मी उद्धव सिंह (88) का आज सुबह सेक्टर-9 चिकित्सालय में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बुधवार 16 सितंबर को शिवनाथ नदी तट पर किया गया।वे मालती सिंह, मीरा सिंह, पुनीता सिंह व सुनीता सिंह के पिता तथा अजय सिंह, रमाशंकर सिंह, राजकुमार सिंह एवं मुकेश सिंह के ससुर थे।

निरीक्षण — शौचालय में गंदगी पर जताई नाराजगी

DEO ने की दबिश : शाला समय में प्राचार्य कक्ष में ताला

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी उपेंद्र कुमार देवांगन ने पदभार संभालने के दूसरे दिन ही विकासखंड के स्कूलों में औचक निरीक्षण किया।

बढ़ईटोला हायर सेकेंडरी में मिली खामियां

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बढ़ईटोला में शाला संचालन समय में प्राचार्य कक्ष में ताला जड़ा मिला। प्राचार्य कक्ष के शौचालय में अत्यधिक गंदगी पर ऊएड ने नाराजगी जताई। शनिवार को स्कूल 7:30 बजे से लगना पाया गया, जबकि निर्देश 10 से 4 बजे तक का है।प्रेरणादायी स्लोगन का भी अभाव मिला। हालांकि परिसर में पेड़-पौधों और सरस्वती प्रतिमा स्थापना की सराहना की।

अंग्रेजी दक्षता पर जोर

माइलस्टोन पब्लिक स्कूल में DEO ने रोज 10 नए अंग्रेजी शब्द सिखाने और स्लोगन लगाने के निर्देश दिए। सरस्वती शिशु मंदिर का भी निरीक्षण किया।

बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर खाया MDM

निरीक्षण के अंत में सेजेस बालक विद्यालय में DEO ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन मंत्र के साथ मध्यान्ह भोजन किया और बच्चों से विषयगत सवाल पूछकर सही जवाब पर पुरस्कृत किया। DEO ने कहा कि 16 सितंबर को सभी प्राचार्यों और संकुल समन्वयकों की कार्यशाला होगी। निरीक्षण में सहायक संचालक मनोहर लाल चंदेल और BRC सुजीत सिंह चौहान मौजूद रहे।

ट्रेनिंग में समझाने के बहाने महिला से अश्लील हरकत करने वाले सीएमएचओ रोहलेडर सस्पेंड

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

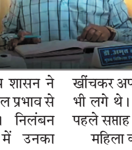

बेमेतरा के सीएमओ डॉ. अमृतलाल रोहलेडर पर महिला स्वास्थ्य कर्मियों से अभद्र व्यवहार और अनुचित स्पर्श के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। राज्य शासन ने मंगलवार को उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन सीएमएचओ अवधि में उनका मुख्यालय डॉ. अमृतलाल जगदलपुर निर्धारित किया गया है।

महिला कर्मियों ने आरोप लगाया था कि डॉ. रोहलेडर ट्रेनिंग के दौरान बीमारी के लक्षण समझाने के बहाने महिलाओं और युवतियों को बुलाकर अनावश्यक रूप से छूते थे। डीहाइड्रेशन या पेट खराब होने पर कैसा महसूस होता है, यह बताने के दौरान भी अनुचित स्पर्श की शिकायत की गई थी। उन पर बैठकों में अपशब्द कहने और महिला कर्मचारियों को सार्वजनिक रूप से खींचकर अपने पास बुलाने के आरोप भी लगे थे। यह मामला अगस्त के पहले सप्ताह में सामने आया था।

महिला कर्मियों की शिकायत के बाद एनएचएम संघ ने उन्हें हटाने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया था। शासन ने स्वास्थ्य विभाग के अपर संचालक इंद्रजीत बर्मन को जांच की जिम्मेदारी सौंपी। जांच के दौरान करीब 70 महिला-पुरुष स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202608101000185/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2025-2026
कोहका प.ह.न. 00045 [70/6(0.0200हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार राजेश कुमार सिंह, प्रमिला देवी सिंह, अन्नू सिंह, कल्पना सिंह, प्रभा देवी,
अनावेदक पक्षकार -बिरेन्द्र कुमार. सिंह आ. स्व. महेन्द्र नारायण सिंह,

-:: ईश्तहार ::-

आवेदक - राजेश कुमार सिंह पिता/पति/विभाग-स्व. बीरेन्द्र कुमार सिंह पता सेक्टर ०८ भिलाई अन्य 4 द्वारा ग्राम - कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 70/6 रकबा 0.020 हे. है जो आवेदक के पिता बीरेन्द्र कुमार सिंह आ. स्व. महेन्द्र नारायण सिंह के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी बीरेन्द्र कुमार सिंह आ. स्व. महेन्द्र नारायण सिंह की मृत्यु दिनांक 22.03.2023 को हो जाने के करण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसनो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय खसरा बी.1, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या द्वावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 17.09.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है।समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/08/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

सराहनीय कार्य करने वाले 22 पुलिसकर्मी सम्मानित एसएसपी अग्रवाल ने दिया प्रशस्ति पत्र व नगद इनाम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

जनसुरक्षा, यातायात व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 22 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग ने प्रशस्ति पत्र और कैश इनाम देकर सम्मानित किया।

मुख्य कार्य जिन पर मिला सम्मान

28 अगस्त को हाईवे-3 पर ऑटो पलटने से घायल 5 लोगों को यातायात पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

खारून नदी में आत्महत्या का प्रयास कर रही महिला को सुरक्षित बचाया गया।

ई-चालान अभियान में 107 प्रकरणों में कार्रवाई और सड़क पर अवरोध हटाने का काम किया।

21 अप्रैल के अग्निकांड में जन-माल की सुरक्षा में योगदान।

भोपाल-धमतरी से स्थायी वारंटी गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

नेवई और सुपेला में धारदार हथियार लेकर घूम रहे आरोपियों को तत्काल पकड़ा।

सम्मानित हुए जवान

यातायात के अमित मिश्रा, अमित शुक्ला, फिरोज खान, ललित कुमार सहित 8 जवान, थाना नेवई प्रभारी अनिल साहू सहित 6, डायल-112 के सूर्यप्रताप, धर्मेन्द्र सूर्यवंशी, चालक ऋषम सिंह सहित कुल 22 अधिकारी-कर्मचारी व नगर सैनिक शामिल हैं। एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि अच्छा काम करने वालों को लगातार प्रोत्साहित किया जाएगा।

अनेकता में एकता के संदेश के साथ जेसी वीक का हुआ भव्य समापन

लोक नृत्य प्रतियोगिता में सुरता ग्रुप प्रथम, महिषासुर ग्रुप द्वितीय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल के जेसी वीक का सातवें एवं अंतिम दिन मंगलवार को शांति नगर स्थित विमतारा हॉल में अनेकता में एकता-लोक नृत्य प्रतियोगिता के साथ भव्य समापन हुआ। विभिन्न राज्यों एवं संस्कृतियों के लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की विविधता को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की विशेष अतिथि ज्योति शर्मा एवं मुख्य अतिथि मीनाक्षी टुटेजा रहीं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पारंपरिक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक धारिणी सोनी एवं मानसी पटेल रहीं। सुरता ग्रुप ने प्रथम, महिषासुर ग्रुप ने द्वितीय और पेलोटी कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्लासिकल स्टेज ग्रुप को सर्वश्रेष्ठ समन्वय, आरएम डांस जोन को सर्वश्रेष्ठ परिधान, शक्ति विप्र ग्रुप को दिल तो बच्चा है और एनर्जेटिक ग्रुप को आर्टिस्टिक ग्रुप पुरस्कार प्रदान किया गया।

जेसी वीक के दौरान संस्था ने सात दिनों में विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित कीं। पहले दिन प्रकृति सिप के तहत स्टील की पानी की बोतलों का वितरण, दूसरे दिन आवाजें युवा, तीसरे दिन मानवीय कर्तव्य एवं डिजिटल आउटरीच, चौथे दिन जेकोम के साथ व्यवसाय मंच और पांचवें दिन भविष्य को आकार दें कार्यक्रम हुआ। छठवें दिन महासमुंद के चितवन वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ समय बिताकर खुशियां साझा की गई।

कार्यक्रम की डायरेक्टर आरती पराटे एवं सुरभि गुरु तथा कोऑर्डिनेटर रूपा सिंह रहीं। इस अवसर पर प्रेसिडेंट धृति शर्मा, फाउंडर प्रेसिडेंट लीना वाधेर, चैप्टर कन्वेनर रुपाली दुबे, चैप्टर इंचार्ज आंचल पंजवानी, सेक्रेटरी सहित पास्ट प्रेसिडेंट्स एवं जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी पीआरओ दीया मूलचंदानी ने दी।

चाकू की नोक पर मंगलसूत्र लूटने वाले 2 नाबालिग पकड़ाए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अमलेश्वर थाना क्षेत्र में झीट-खुड़मुड़ी मेन रोड पर महिला से मंगलसूत्र लूटने वाले 2 विधि से संघर्षरत बालकों को पुलिस ने पकड़ लिया है। घटना - 8 सितंबर की शाम प्रार्थिया अपनी सहेली के साथ काम से घर लौट रही थी। पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो लड़कों ने चाकू गले पर अड़ाकर सोने का मंगलसूत्र लूटकर फरार हो गए थे। रिपोर्ट पर थाना अमलेश्वर में धारा 309(4) BNS के तहत अपराध दर्ज किया गया।

अमलेश्वर थाना और साइबर क्राइम दुर्ग की संयुक्त टीम ने लगातार पतासाजी कर दोनों नाबालिगों को भांटागांव रायपुर से पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपराध कबूल किया। उनके पास से लूटे गए सोने की 4 बूंदें, 2 लॉकेट कीमत करीब 50 हजार, घटना में प्रयुक्त चाकू और हीरो स्प्लेंडर बाइक CG 04 QW 3855 जप्त की गई है। दोनों को बाल न्यायालय में पेश किया गया है।

भूमि सौदे में 10 लाख की धोखाधड़ी : जमीन दलाल गिरफ्तार, 2 फरार

मोहन नगर पुलिस ने जमीन खरीद-बिक्री के नाम पर 10.01 लाख की धोखाधड़ी करने वाले जमीन दलाल लोकेश खुल्लर उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया है। दो आरोपी अब भी फरार हैं।

प्रार्थी विजय सिंह चौहान निवासी शांति नगर ने शिकायत की कि 2024 में अजय साहू, लोकेश खुल्लर और अमित साहू ने उरला में 10 हजार वर्गफीट जमीन सस्ते में दिलाकर ज्यादा मुनाफे का झांसा दिया। 1250 रु. प्रति वर्गफीट से सौदा तय हुआ। 7 अक्टूबर 2024 को इकरारनामा हुआ। प्रार्थी ने 3 अक्टूबर को अमित साहू को 51 हजार नगद और 7 अक्टूबर को जमीन मालिकों के नाम 5 लाख और 4.50 लाख के चेक दिए।

आरोपियों ने सीमांकन और बिजली खंभा हटवाने का वादा कर टालते रहे। बाद में पता चला कि जमीन किसी और को बेचकर रजिस्ट्री कर दी गई है। पैसे मांगने पर वापस नहीं किए। शिकायत पर थाना मोहन नगर में अपराध दर्ज कर 15 सितंबर को मुख्य आरोपी लोकेश खुल्लर (38 वर्ष, मैत्री नगर रिसाली) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। अजय साहू और अमित साहू की तलाश जारी है।

कांस्टेबल भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट का अभ्यर्थियों के हक में ऐतिहासिक फैसला

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2018 मामले में वेटिंग लिस्ट के 400 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका (SLP) को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि वेटिंग लिस्ट में शामिल सभी पात्र अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया 3 महीने के भीतर पूरी कर उन्हें ज्वाइनिंग दी जाए। बता दें कि कांस्टेबल भर्ती के बाद वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थी पिछले कई वर्षों से नियुक्ति का इंतजार कर रहे थे। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी, लेकिन वहां से भी सरकार को झटका लगा। इस फैसले के बाद अब 400 से ज्यादा युवाओं का पुलिस में भर्ती का सपना पूरा होगा। अभ्यर्थियों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे सत्य की जीत बताया है।

नगर निगम में गणेश समितियों की बैठक पॉली पेपर नहीं उपयोग करने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गणेश पर्व के दौरान पंडालों में स्वच्छता बनाए रखने को लेकर नगर निगम सभागृह में निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने ADM सी.एल. मारकंडे, SDM गौतम पाटिल, CSP वैशाली जैन और SDOP सत्यप्रकाश तिवारी की मौजूदगी में गणेश समितियों की बैठक ली।

आयुक्त मरकाम ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान चलेगा। गणेश आगमन के दौरान पॉली पेपर उड़ाने से पूरे शहर में गंदगी फैली है। यह प्लास्टिक 50 साल तक नहीं सड़ता और सफाई कर्मी इसे साफ नहीं कर पाते। इसके बजाय गुलाब की पंखुड़ियों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इंदौर की तरह राजनांदगांव को भी झांकी के साथ स्वच्छता में टॉप 10 में लाना है। कलेक्टर द्वारा टॉप 3 स्वच्छ पंडालों को सम्मानित किया जाएगा।

ADM मारकंडे ने कहा कि पंडाल के आसपास आवागमन बाधित न हो। SDM पाटिल ने रात 10 बजे के बाद DJ प्रतिबंध का पालन करने को कहा। CSP वैशाली जैन ने पंडालों के पास चार पहिया वाहन पार्क न करने की अपील की। SDOP सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि 20 चौक-चौराहों पर स्टॉपर और जवान तैनात किए गए हैं, नशा करने वालों की सूचना दें। समितियों ने झांकी रूट में लाइट, पेड़ों की छंटाई और सुरजन गली में भीड़ रोकने की मांग रखी, जिस पर प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अभियंता दिवस पर निगम में कार्यक्रम आयोजित

अभियंता दिवस के अवसर पर नगर निगम के कार्यपालन अभियंता कक्ष में आयुक्त जीआर मरकाम की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयुक्त सहित कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे, कार्यपालन अभियंता (संविदा) यूके रामटेके, प्रभारी कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम एवं निगम के इंजीनियरों ने भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की।

आयुक्त मरकाम ने कहा कि सर विश्वेश्वरैया ने आधुनिक भारत में बांध, जलाशय और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। 1955 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सभी तकनीकी अधिकारियों को उनके कार्यों का अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम में सहायक अभियंता सुषमा साहू, उप अभियंता पिंकी खाती, अनुप पाण्डे, तिलकराज ध्रुव सहित तकनीकी शाखा के कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्वकर्मा पूजा पर होगा भव्य लाइट एंड साउंड और लेजर शो, प्रवेश नि :शुल्क

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

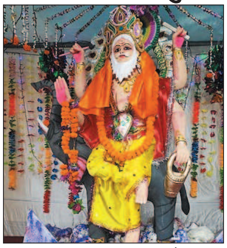

श्री श्री विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 17 सितंबर को भव्य लाइट एंड साउंड एवं लेजर शो का आयोजन किया जा रहा है। BSP के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में होगा।

इस शो में छत्तीसगढ़ की प्राचीन भव्यता से लेकर वर्तमान परिदृश्य तक की यात्रा को स्कूली बच्चों, स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। आधुनिक लाइट, साउंड और लेजर तकनीक के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा को दिखाया जाएगा।

BSP प्रबंधन ने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा और सभी नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100